

SHERKOTTI PAINTS

It's Time To Experience Something New!!



CHOICE OF MILLIONS

SHERKOTTI

A QUALITY PRODUCT FROM THE CHAMARAN GROUP

www.sherkottipaints.com

For Trade Enquiries Contact:9989442820

वर्ष-31 अंक : 60 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ पूर्णिमा 2083 रविवार, 31 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

नई दिल्ली में अमित शाह से मिले हरभजन सिंह
चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों, राज्य के विकास, जनहित और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।
हरभजन सिंह ने मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की। उन्होंने बताया कि पंजाब के हितों की रक्षा और राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया गया। साथ ही पंजाब से जुड़े कई अहम विषयों पर भी गृह मंत्री के साथ विचार-विमर्श किया गया।

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

डीके शिवकुमार 24वें सीएम होंगे

सिद्धारमैया ने नाम बढ़ाया, उनका बेटा भी मंत्री बनेगा, राज्य को 4 डिप्टी सीएम भी मिलेंगे

बेंगलूरु, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलूरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कांग्रेस नेता चंद्रशेखर के मुताबिक, शपथ ग्रहण 3 जून को लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में होगा। सूत्रों के मुताबिक सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। इसमें सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। शिवकुमार 'सीएम रोटेशनल फॉर्मूला' के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। आज की बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज



डीके शिवकुमार संघ से कांग्रेस के शीर्ष नेता तक का सफर

रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है।
बैठक में शिवकुमार के प्रस्ताव का समर्थन परमेश्वर ने किया :
सभी विधायकों ने मिलकर प्रस्ताव पास किया, इसमें यह तय किया गया कि नए नेता का फैसला कांग्रेस की केंद्रीय लीडरशिप करेगी। इसके बाद सिद्धारमैया ने खुद डीके शिवकुमार का नाम नए

सीएलपी नेता के तौर पर पेश किया। गृह मंत्री डॉ.जी. परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया, सभी विधायकों ने एकमत से इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने एक प्रस्ताव रखकर सिद्धारमैया का शुक्रिया अदा किया। बैठक के दौरान सिद्धारमैया, वेणुगोपाल और सुरजेवाला अलग कमरे में चले गए और आपस में बात की। इसके बाद बैठक फिर शुरू हुई और शिवकुमार को नेता चुना गया।

डीके के पास 1400 करोड़ की संपत्ति, मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ भी जा चुके
कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन, होटल कारोबारी भी हैं। दिलचस्प ये है कि इतनी संपत्ति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा कालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है।
1962 में बेंगलूरु के पास कनकपुरा में जन्मे डीके वोक्कालिंगा समुदाय से हैं। वह कनकपुरा से ही विधायक हैं। कांग्रेस में उनकी पहचान ऐसे नेता की है जो पार्टी विधायकों को टूटने से बचाते हैं। किसी भी बड़े ऑपरेशन, चुनाव मैनेजमेंट, प्रचार या गुप्त रणनीतियों के लिए जिस वित्तीय और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट की जरूरत होती है, उसे वे बखूबी मैनेज कर लेते हैं।

केरलम, कर्नाटक तमिलनाडु में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी
अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले में एक्शन
नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई केरलम के मलप्पुरम जिले में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच के तहत की गई। एजेंसी ने विस्फोटकों के सोर्स, सप्लाय चैन और इससे जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलप्पुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलप्पुरम) में प्वाज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सा में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी। पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी होंगे सक्रिय

घुसपैठिये-ड्रोन-नार्कों की पहचान करेंगे



नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा (आईपीबी) से लगे क्षेत्रों एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर समीक्षा बैठक की है। इनमें उन्होंने कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया है। वे अपने क्षेत्र में घुसपैठिये-ड्रोन-नार्कों की पहचान करना सुनिश्चित करेंगे। हर जिले में एक सुरक्षा समन्वय समूह बनाया जाए, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक, इनकम टैक्स, ईडी और लीड बैंक के मैनेजर को शामिल किया जाए।
गुजरात में घुसपैठ बंद हुई :
शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। राज्य में घुसपैठ तथा बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 0 से 15

किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ुपंथ के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सीमावर्ती जिलों में डीएम को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागत योग्य है। शाह ने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आए। उन्होंने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन एसओपी तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्कों की पहचान करना सुनिश्चित हो। शाह ने कहा कि इनकम टैक्स, मनी लॉन्ड्रिंग और कस्टम कानूनों के क्रिया-न्वयन की जिम्मेदारी डीएम, एसपी और आईजी बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए। अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में हवाला ट्रांजेक्शन, लेनदेन, म्यूल अकाउंट, शेल कंपनियां, संदिग्ध वाहनों और जीएसटी कलेक्शन पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

पद्मनाभस्वामी मंदिर विवाद के बीच टीडीबी का फैसला

> मंदिरों की बहुमूल्य संपत्तियों का बनेगा डिजिटल रिकॉर्ड
तिरुवनंतपुरम, 30 मई (एजेंसियां)। टीडीबी के अध्यक्ष के. जयकुमार ने शनिवार को कहा कि बोर्ड अपने प्रशासन के अधीन मंदिरों में मौजूद मूल्यवान वस्तुओं, परिसंपत्तियों और अन्य लेन-देन का जायजा लेने की योजना बना रहा है।

डिजिटली रखा जाएगा हिसाब :
त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष ने बताया कि खातों को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड और संग्रहीत किया जाएगा ताकि उनमें छेड़छाड़ न की जा सके। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर दिन में सदस्यों की बैठक में चर्चा की जाएगी। हालांकि डिजिटलीकरण की प्रक्रिया बेहतर उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप है। लेकिन यह यहां है श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से कलमूल्य वस्तुओं के गायब होने के आरोपों के बीच शुरू हुई है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के अधिकारियों ने इस आरोप का खंडन किया है, लेकिन सरकार ने मामले की जांच करने का फैसला किया है।

बहुत शानदार रहा कार्यकाल : जनरल अनिल चौहान

सीडीएस पद से विदा हुए अनिल चौहान, आज कमान संभालेंगे एनएस राजा सुब्रमणि

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। निवर्तमान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को अपने कार्यकाल को बहुत संतोषजनक और शानदार बताया। करीब तीन साल आठ महीने तक देश के सर्वोच्च सैन्य पद पर रहने के दौरान उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि रविवार को भारत के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पदभार



संभालेंगे। त्रि-सेवा गार्ड ऑफ ऑनर मिलने के बाद जनरल चौहान ने संवाददाताओं से कहा, मेरा कार्यकाल बहुत

संतोषजनक और शानदार रहा। पूर्व पूर्वी सेना कमांडर जनरल चौहान ने सितंबर 2022 में देश के वरिष्ठतम सैन्य कमांडर के रूप में पदभार संभाला था। यह नियुक्ति पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के नौ महीने से अधिक समय बाद हुई थी। सीडीएस के रूप में जनरल चौहान ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की योजना और उसके क्रिया-न्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल में उन्होंने बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि भारत की सैन्य क्षमता को और मजबूत किया जा सके।

अभिषेक के आवास पर फिर पहुंची सीआईडी

> सांसद बोले-मैं झुकने वाला नहीं हूं > अभिषेक बनर्जी से मारपीट



कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल सीआईडी ने नोटिस जारी कर 1 जून को दोपहर 12 बजे भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा है। शनिवार को सीआईडी की पांच सदस्यीय टीम कोलकाता के कालीघाट स्थित उनके आवास

अंडे फेंके, शर्ट फाड़ी, चोर-चोर के नारे लगाए, हेलमेट पहनाकर निकाला गया, भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप
कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सोनारपूर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से मारपीट हुई है। वे यहां चुनावी हिंसा में घायल हुए टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। पूर्व सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने कहा-ये लोग मुझे मारना चाहते हैं। मेरी शर्ट फाड़ दी। मौके पर एक भी पुलिसवाला नहीं था। हेलमेट की वजह से सिर बच गया। ऐसे हमलों से हम डरेंगे नहीं।
जानकारी नहीं थी। अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर और जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने कहा कि उन पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, पहले सिर्फ ईडी और सीबीआई थीं, अब बंगाल पुलिस, कोलकाता पुलिस और

सीआईएसएफ करेगी विदेश मंत्रालय के मुख्यालय की सुरक्षा

> सुषमा स्वराज भवन में हुई औपचारिक तैनाती



नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की इस समाह सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती कर दी गई है। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला है। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (कार्मिक) तरुण कुमार, आईपीएस ने सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक, सीजीबीएस जी. शिवकुमार, आईपीएस, सुरक्षा ब्यूरो के निदेशक कर्नल मनोज यादव और कमांडेंट (ऑपरेशन) नीरज कुमार के साथ-साथ वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारियों और विदेश मंत्रालय प्रबंधन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीआईएसएफ कोट का उद्घाटन किया।
इस तैनाती के साथ भारत के प्रमुख राजनयिक प्रतिष्ठानों में से एक को सीआईएसएफ की पेशेवर सुरक्षा प्रदान की गई है। सीआईएसएफ को देश भर में महत्वपूर्ण सरकारी बुनियादी ढांचे, नागरिक उड्डयन सुविधाओं, परमाणु प्रतिष्ठानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। बंदरगाहों की सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को बंदरगाह सुविधाओं के लिए 'मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन' नामित किया गया है। इसकी जिम्मेदारी बंदरगाहों का सुरक्षा मूल्यांकन और सुरक्षा योजनाएं तैयार करना है। सीआईएसएफ को बंदरगाहों की सुरक्षा में लगी निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने और उनकी क्षमता निर्माण करने का भी काम दिया गया है।

3 जून से खाते में आने लगेगी अन्नपूर्णा योजना की पहली किस्त

महिलाओं को मिलेगी 3000 की राहत राशि
कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुबेंदु अधिकारी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार की अन्नपूर्णा योजना के तहत पहली किस्त का भुगतान 3 जून से शुरू किया जाएगा। योजना के पात्र महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 3,000 रुपये भेजे जाएंगे। कोलकाता में स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकारी अधिकारी घर-घर जाकर महिलाओं को आवेदन पत्र भरने में मदद करेंगे, ताकि योजना का लाभ केवल वास्तविक पात्र लोगों तक पहुंचे। अन्नपूर्णा योजना के लिए 12 पत्रों का आवेदन फॉर्म जारी किया गया है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों की विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं के बहिष्कार का मामला

> नौ जजों की पीठ सुनाएगी फैसला



पारसी महिलाओं से भेदभाव पर सुप्रीम कोर्ट सख्त
नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। इसके बावजूद उसे नागपुर के पारसी अगियारी यानी अग्नि मंदिर

‘दावे विश्वगुरु के, लेकिन एक भी परीक्षा ढंग से नहीं करा सकते’

> अब सीयूईटी को लेकर राहुल गांधी का पीएम पर तंज

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित करने में सक्षम नहीं है। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई।
पीएम मोदी पर साधा निशाना :
कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। बच्चे।



नरेंद्र पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता आगे कहा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री

‘फोर्स बुला लो, खाली नहीं करेंगे’

सरकारी आवास छोड़ने के नोटिस पर राबड़ी देवी का जवाब



पटना, 30 मई (एजेंसियां)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को आवर्तित सरकारी आवास को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने उन्हें सकुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 खाली करने का निर्देश दिया था। अब इस मामले में सियासत गरमा गई है।
शनिवार दोपहर पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान राबड़ी देवी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि फोर्स बुलाकर खाली करा लें। अगर सरकार को जगह खाली करानी है तो प्रशासन और फोर्स का इस्तेमाल करे, लेकिन हम अपनी जगह खाली नहीं करेंगे। बता दें कि लालू प्रसाद अपने परिवार के साथ फिलहाल सकुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 में रहते हैं। भवन निर्माण विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि

25 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत नेता प्रतिपक्ष के लिए हाईडेंज रोड स्थित आवास संख्या-39 आवर्तित किया गया था। विभाग का कहना है कि नया आवास उपलब्ध कराए जाने के बावजूद राबड़ी देवी ने अब तक सकुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 खाली नहीं किया है। विभागीय पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि 27 मई 2026 को जारी आदेश के तहत उक्त आवास डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम को आवर्तित किया जा चुका है। ऐसे में नए आवंटन को प्रभावी बनाने के लिए आवास संख्या-10 को शीघ्र खाली कराना आवश्यक है।

रविवार, 31 मई, 2026 3

सर्वदलीय बैठक आयोजित कर सुझाव एवं परामर्श प्राप्त करने का फैसला

तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान और सम्मान के लिए समिति की पहली बैठक संपन्न

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान एवं सम्मान के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति की पहली बैठक शनिवार को डॉ.बी.आर. अब्बेडकर राज्य सचिवालय में समिति के अध्यक्ष डॉ.के. केशवराव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राज्य के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी व्हिप अंदांकी दयाकर, एमएलसी प्रोफेसर एम. कोंदेडराम, पूर्व एमएलसी एस. रामलु नायक तथा मोथे शोभन रेड्डी सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में समिति के कार्य-व्यवहार, तेलंगाना आंदोलनकारियों की जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया तथा पात्र व्यक्तियों की पहचान के लिए अपनाए जाने वाले मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार



ने तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान और सम्मान के उद्देश्य से 15 मई को जी.ओ.आरटी. संख्या 679 जारी कर इस समिति का गठन किया था। समिति ने निर्णय लिया कि 4 जून को सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सर्वदलीय बैठक आयोजित कर सुझाव एवं परामर्श प्राप्त किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष डॉ.के. केशवराव ने कहा कि तेलंगाना राज्य गठन के लिए हुए आंदोलन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी लोगों की पहचान कर उन्हें

सम्मानित करना सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अमर शहीदों के परिवारों तथा तेलंगाना आंदोलन के प्रथम और द्वितीय चरण में जमीनी स्तर पर सक्रिय रहे आंदोलनकारियों का विवरण एकत्र कर पारदर्शी तरीके से पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार की जाए। राज्य के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आंदोलनकारियों की पहचान के लिए ऐसे सभी वर्गों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई। इनमें जेल जाने वाले आंदोलनकारी, विभिन्न पुलिस मामलों का सामना करने वाले लोग, बुद्धिजीवी, कलाकार, लेखक, कर्मचारी, पत्रकार, अधिवक्ता, विद्यार्थी, आरटीसी कर्मचारी तथा सिंगरनेरी श्रमिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की पहल पर गठित यह समिति आंदोलनकारियों की सेवाओं और त्याग को उचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया

कि तेलंगाना राज्य के गठन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले आंदोलनकारियों को राज्य सरकार की ओर से उचित सम्मान और पहचान दिलाने के लिए आवश्यक सिफारिशें तैयार की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सूचना संग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो और आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति की अनदेखी न हो। बैठक में राजस्व विभाग के सचिव लोकेश कुमार, वित्त विभाग की विशेष सचिव सित्त पटनायक, गृह विभाग की प्रमुख सचिव शिखा गोयल, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रघुनंदन राव, प्रोटोकॉल निदेशक हरीश, सांस्कृतिक विभाग के निदेशक नरसिम्हा रेड्डी, विधि विभाग के सचिव पापी रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

‘राज्य स्थापना दिवस’ समारोह जल्दी शुरू करने का आदेश

पीएसीएस में नामित नियुक्तियों का बीआरएस ने किया विरोध



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) में नामांकन के आधार पर नियुक्तियां किए जाने के राज्य सरकार के कदम का विरोध करते हुए राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदन चारी ने नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को लोक भवन में राज्यपाल

शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर उन्हें एक जापन सीप।। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में मधुसूदन चारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार चुनाव कराए बिना पीएसीएस के विभिन्न पदों पर अपने पसंदीदा लोगों की नियुक्ति करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में निर्वाचित अध्यक्षों का कार्यकाल 2025 में समाप्त होना था, लेकिन सरकार ने उसे छह महीने के लिए बढ़ा दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब चुनाव कराने के बजाय नामांकन के जरिए पद भरने की तैयारी की जा रही है, जो नियमों के विरुद्ध है। बीआरएस ने राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर राज्य सरकार को आगे की कार्रवाई से रोकने का अनुरोध किया है। मधुसूदन चारी के अनुसार, राज्यपाल ने मामले में कानूनी राय लेने और उसके आधार पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि बिना चुनाव कराए नियुक्तियां करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नियमों के विपरीत है।

एमजे मार्केट में फिर फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक मोहजम जाही (एमजे) मार्केट परिसर में लगभग एक महीने से अनुपस्थित राष्ट्रीय ध्वज को नगर निगम अधिकारियों ने पुनः फहरा दिया है। तेज हवाओं के कारण ध्वज को संभालने वाली केबल टूट जाने से इसे 100 फुट ऊंचे ध्वजदंड से उतार लिया गया था। राष्ट्रीय ध्वज के लंबे समय तक नहीं फहराए जाने पर स्थानीय लोगों, पर्यटकों और दुकानदारों ने नाराजगी जताई थी। तिरंगे की अनुपस्थिति को लेकर नगर निगम की आलोचना भी हुई थी।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि शहर में विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वजों की स्थापना और रखरखाव का कार्य एक निजी एजेंसी को सौंपा गया है।

एजेंसी को ध्वज को निर्धारित मानकों के अनुसार तैयार कर पुनः स्थापित करने का निर्देश दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, नया ध्वज भारत के ध्वज संहिता-2002 के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किया गया है। साथ ही ध्वजदंड की मरम्मत कर उसे रंगा गया और नई मजबूत केबल लगाई गई, जो तेज हवाओं और खराब मौसम का सामना करने में सक्षम है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक मरम्मत और तकनीकी कार्य पूरा होने के बाद राष्ट्रीय ध्वज को पुनः सम्मानपूर्वक फहरा दिया गया है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया, एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने अवैध ऑनलाइन क्रिकेट और रसकोर्स सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सट्टा संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 29 मई को मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर गोशामहल पुलिस स्टेशन की टीम ने बेगम बाजार स्थित नारायण भवन पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान वेणुगोपाल शर्मा उर्फ इडली वेणु (59 वर्ष) को ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियों का संचालन करते हुए पकड़ा गया। जांच में पता चला कि आरोपी व्हाट्सएप और अन्य संचार माध्यमों के जरिए क्रिकेट और रसकोर्स सट्टे का नेटवर्क चला रहा था। पछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अपने सहयोगियों के साथ



"गोदावरी एसोसिएट्स" के नाम से सट्टेबाजी का संचालन कर रहा था तथा विभिन्न माध्यमों से सट्टेबाजों से धनराशि एकत्र करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सट्टेबाजी से जुड़े सबूत मिटाने और जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से व्हाट्सएप चैट भी डिलीट कर दी थीं। आरोपी के खिलाफ पहले भी गोशामहल और चारमीनार पुलिस थानों में सट्टेबाजी से जुड़े कई मामले दर्ज

हैं, जिससे वह एक आदतन अपराधी माना जा रहा है। इस मामले में गोशामहल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी में शामिल खिलाड़ियों, आयोजकों और प्रमोटरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें जुए एवं सट्टेबाजी के कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें। यह कार्रवाई गोलकोंडा जेन के पुलिस उपअधीक्षक, चंद्र मोहन और गोशामहल डिवीजन के एसपी के. चंद्रशेखर रेड्डी के निर्देशन में गोशामहल पुलिस स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई।

हाफिजपेट स्टेशन का आधुनिकीकरण पूरा, जल्द होगा उद्घाटन



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे हाफिजपेट रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेशन जल्द ही यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन पर प्रस्तावित विकास कार्यों का 99 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है और शेष कार्य भी तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। स्टेशन का पुनर्निर्माण लगभग 29.21

करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से शुरू किया गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से इसकी लागत बढ़कर करीब 33 करोड़ रुपये हो गई। पुनर्विकास के तहत 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, आधुनिक स्टेशन भवन, प्लेटफार्मों का पुनर्निर्माण, रैप, प्लेटफार्म शेड, आधुनिक शौचालय, दो लिफ्ट और दो एस्केलेटर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा यात्रियों के लिए विशाल प्रतीक्षा कक्ष, खानपान स्टॉल, बेहतर संकेतक बोर्ड और

सुविधाजनक आवागमन क्षेत्र भी तैयार किए गए हैं। दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष शौचालय और रैप की व्यवस्था की गई है। स्टेशन परिसर में सौंदर्यीकरण और हरित विकास कार्य भी किए गए हैं। हाफिजपेट रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 60 एमएमटीएस ट्रेनें और आठ एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित होती हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए डीजीपी कार्यालय में व्हीलचेयर रैंप का निर्माण

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने राज्य पुलिस मुख्यालय (डीजीपी कार्यालय) में आने वाले दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए एक समर्पित व्हीलचेयर रैंप के निर्माण की पहल की है। यह पहल ऑल इंडिया डिसेबल्ड राइट्स फोरम के अध्यक्ष कोल्लू नागेश्वर राव द्वारा हाल ही में डीजीपी से की गई पेंट और प्रस्तुत किए गए अनुरोध के बाद की गई। उन्होंने डीजीपी को बताया था कि व्हीलचेयर उपयोग करने वाले दिव्यांगजनों को कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने में कठिनाई हो रही थी, क्योंकि उपयुक्त रैंप सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इस



समस्या को गंभीरता से लेते हुए डीजीपी सी.वी. आनंद ने तत्काल संबोधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही अधिकारियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए स्टाफ लिफ्ट के पास नए व्हीलचेयर रैंप का निर्माण कार्य

पूरा किया। अधिकारियों के अनुसार, इस सुविधा के शुरू होने से अब राज्य पुलिस मुख्यालय आने वाले दिव्यांगजनों को बेहतर पदम और सुविधा प्राप्त होगी। यह कदम पुलिस विभाग की संवेदनशील और समावेशी कार्यप्रणाली को भी दर्शाता है।

एडसीईटी-2026 में पुरुष अभ्यर्थियों का दबदबा, शीर्ष 10 रैंक पर कब्जा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षा सामान्य प्रवेश परीक्षा (टीजी एडसीईटी)-2026 के परिणामों में पुरुष अभ्यर्थियों ने शीर्ष 10 रैंक हासिल कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह परीक्षा राज्य में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। भद्राद्री कोत्तागुडम जिले के बनोथ अजीत कृष्णा ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुस्पिट के पोथुगंती थारुन कुमार दूसरे और महबूबनगर के निरती उदय कुमार रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) के अध्यक्ष प्रो.वी. बालकिस्ता रेड्डी, काकतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.के. प्रताप रेड्डी तथा परीक्षा सयोजक प्रो.बी. वेंकटराम रेड्डी ने परिणाम घोषित किए। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। परीक्षा में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। कुल 29,441 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,482 परीक्षा में शामिल हुईं और 23,642 सफल रहीं। महिलाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.57 रहा। वहीं 6,155 पुरुषों ने पंजीकरण कराया, 4,858 परीक्षा में शामिल हुए और 4,802 उत्तीर्ण हुए। पुरुषों का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.85 दर्ज किया गया। कुल 29,342 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 96.95 प्रतिशत सफल घोषित किए गए। प्रो. बालकिस्ता रेड्डी ने कहा कि जहां अधिकांश परीक्षाओं में महिलाओं का प्रदर्शन बेहतर रहता है, वहीं टीजी एडसीईटी-2026 में पुरुष अभ्यर्थियों ने शीर्ष रैंक और अधिक उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया है। प्रो. प्रताप रेड्डी ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में राज्य के 196 बीएड कॉलेजों में सयोजक कोटा की 13,278 सीटों में से 7,460 सीटों पर प्रवेश दिया गया।

टीओएसएस ने एसएससी और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित किए



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ओपन स्कूल एजुकेशन सोसाइटी (टीओएसएस) ने शनिवार को एसएससी और इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षाएं-2026 के परिणाम घोषित कर दिए। इस वर्ष दोनों परीक्षाओं के उत्तीर्ण प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एसएससी परीक्षा में कुल 36,863 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें से 26,542

छात्र सफल रहे। परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 72 रहा, जो पिछले वर्ष के 57.60 प्रतिशत से अधिक है। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में 54,679 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 37,562 छात्र उत्तीर्ण हुए। इंटरमीडिएट का उत्तीर्ण प्रतिशत 68.70 रहा, जो पिछले वर्ष के 59.77 प्रतिशत की तुलना में बेहतर है। स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ.ई.

नवीन निकोलस, टीओएसएस निदेशक पी.वी. श्रीहरि और संयुक्त निदेशक सोमी रेड्डी ने परिणाम जारी किए। परिणाम टीओएसएस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। डॉ. निकोलस ने बताया कि भविष्य में टीओएसएस प्रमाणपत्र राज्यभर के मी-सेवा केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराने की योजना है। उन्होंने कहा कि विभाग सरकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के छात्रों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। परीक्षा में असफल छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं भी आयोजित की गई थीं। अभ्यर्थी 4 जून से टीओएसएस की वेबसाइट से अपने अंकों का वेब मेमोरैंडम डाउनलोड कर सकेंगे। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति हो तो 15 जून तक संबंधित अधिकारियों के माध्यम से टीओएसएस को सूचित किया जा सकता है।

विशेष मतदाता पुनरीक्षण से खत्म होंगे दोहरे पंजीकरण

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 25 जून से शुरू होने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में मौजूद दोहरे पंजीकरणों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति केवल एक विधानसभा क्षेत्र और एक राज्य में ही मतदाता के रूप में पंजीकृत रहे। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, अभी कई ऐसे मतदाता हैं जिनके नाम तेलंगाना के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक या अन्य राज्यों की मतदाता सूची में भी दर्ज हैं। विशेष सत्यापन अभियान के बाद ऐसे मतदाताओं को केवल एक स्थान पर अपना पंजीकरण बनाए रखने की अनुमति होगी।

राज्य में कुल 3.39 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इनमें 1.68 करोड़ पुरुष, 1.71 करोड़ महिलाएं और 2,879 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्यभर में 35,985 मतदान केंद्र स्थापित हैं। एसआईआर अभियान के तहत 25 जून से 24 जुलाई तक बृथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर

मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और जगणना प्रपत्र वितरित करेंगे। मतदाताओं द्वारा प्रपत्र जमा करने के बाद उन्हें रसीद भी दी जाएगी। इसके बाद विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से विधानसभा क्षेत्रों, संसदीय क्षेत्रों और विभिन्न राज्यों में संभावित दोहरे पंजीकरण की जांच की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई मतदाता एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत पाया जाता है, तो उसे केवल एक स्थान का चयन करना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी नाम को हटाने से पहले पूरी जांच और सत्यापन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

यदि कोई मतदाता विदेश या किसी अन्य शहर में कार्यरत है, तो परिवार का कोई वयस्क सदस्य उसकी ओर से प्रपत्र भरकर जमा कर सकता है। वहीं, यदि पूरा परिवार घर पर उपलब्ध नहीं है, तो मतदाता निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रपत्र भी जमा कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जगणना प्रक्रिया के दौरान किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BHAWNA POSWAL,Spouse of SEP SUMER SINGH GURJAR, R/O: DHAMSYA, MP KA BAS, JHAJH-WAD, DHARMUPURA, JAIPUR, RAJASTHAN - 303305have changed my name from BHAVANA POSWAL to BHAVANA POSWAL vide Affidavit dt.30-05-2026

I, B NARAYANAMMA, M/O:HAV BIJAM V RAMI REDDY, R/O: D.No.3-31, VILLAGE: ALASANDALA PALLI, POST: DADDAWADA, TEHSIL:KOMAROLE, DISTRICT: PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523356 have changed my name from B NARAYANAMMA to BIJAM NARAYANAMMA and My Date of Birth is01-01-1961 vide Affidavit dt.30-05-2026

I, B RAMACHANDRA REDDY, F/O:HAV BIJAM V RAMI REDDY, R/O: D.No.3-31, VILLAGE: ALASANDALA PALLI, POST: DADDAWADA, TEHSIL:KOMAROLE, DISTRICT: PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523356 have changed my name from B RAMACHANDRA REDDY to BIJAM RAMACHANDRA REDDY and My Date of Birth is01-01-1948 vide Affidavit dt.30-05-2026

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाण्डित्य विधान का प्रतिबन्धन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विधानमन्दात ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

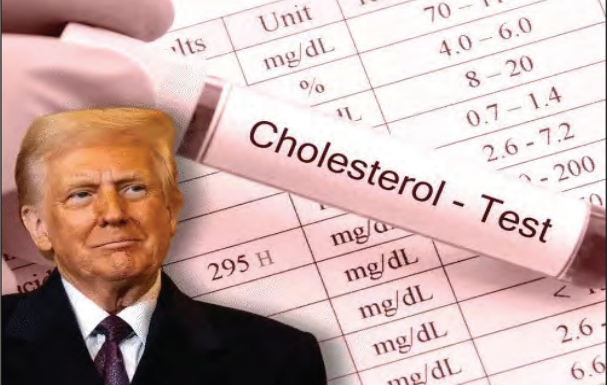
ट्रम्प की मेडिकल रिपोर्ट, 80 की उम्र में सेहतमंद

वॉशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई मेडिकल रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की है। 14 दिनों में 80 साल के होने वाले ट्रम्प की सेहत बेहतरीन है। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प इस समय कॉलेस्ट्रॉल और हार्ट के लिए कुल तीन दवाएं ले रहे हैं। इनमें दो दवाएं, 'रोसुवास्टैटिन' और 'एजेंटिमिब' कॉलेस्ट्रॉल कंट्रोल के लिए हैं। वहीं एक लो-डोज 'एस्पिरिन' हार्ट संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए दी जा रही है।

व्हाइट हाउस के डॉक्टर शॉन पी. बारबाबेला ने बताया कि ट्रम्प की सेहत शानदार है और वे राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां निभाने के लिए पूरी तरह फिट हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी कार्डियक, फेफड़ों और न्यूरोलॉजिकल हेल्थ मजबूत है।

ट्रम्प का यह मेडिकल चेकअप मंगलवार को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुआ था। व्हाइट हाउस के मुताबिक, इस दौरान 22 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उनकी जांच की। इसमें सीटी

कॉलेस्ट्रॉल-हार्ट की दवाएं ले रहे, डॉक्टर बोले- प्रेसिडेंट पद के लिए बिल्कुल फिट



स्कैन, हार्ट इमेजिंग, कैसर स्क्रीनिंग और कई प्रिवेंटिव टेस्ट शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प का कॉग्निटिव और फिजिकल परफॉर्मेंस एक्सीलेंट है। डॉक्टर ने यह भी लिखा कि ट्रम्प के व्यस्त शेड्यूल, लगातार मोटिंग्स, पब्लिक इवेंट्स और शारीरिक गतिविधियां उनके ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करती हैं।

मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प का वजन अब 238 पाउंड यानी करीब 108 किलो है। अप्रैल 2025 की पिछली मेडिकल जांच

में उनका वजन 224 पाउंड यानी करीब 101.6 किलो था। ट्रम्प की लंबाई 6 फीट 3 इंच बताई गई है। डॉक्टर बारबाबेला ने ट्रम्प की वजन कम करने, हेल्दी डाइट अपनाने और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि उन्हें कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ और वेट लॉस को लेकर प्रिवेंटिव काउंसलिंग भी दी गई।

ट्रम्प के हाथों पर दिख रहे निशानों को लेकर पिछले कई महीनों से सवाल उठ रहे हैं।

देश-विदेश

गोबरा नवापारा टीआईडीपेश जायसवाल सखेंड

अवैध शराब पर कार्रवाई में संदिग्ध भूमिका का आरोप, एसपी श्वेता श्रीवास्तव ने लिया एक्शन

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने गोबरा नवापारा थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेश जायसवाल को निर्लंबित कर दिया गया है। उन पर इलाके में अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं करने और कार्रवाई के दौरान संदिग्ध आचरण करने का आरोप लगा है।

जानकारी के मुताबिक गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद अवैध कारोबार जारी रहने की बात सामने आई। दरअसल, मामला 29 मई को तब खुला जब एसीसीयू रायपुर की देहात टीम ने गोबरा नवापारा स्थित लल्ला सोनवानी के ढाबे में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान वहां अवैध शराब बिक्री होती मिली। सूचना पर थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल भी मौके पर पहुंचे थे।

ईरान ने मार गिराया अमेरिकी ड्रोन

अब दुनिया को दिखाया नया एयर डिफेंस सिस्टम, कितना बड़ा है खतरा?

सिस्टम का इस्तेमाल किया है।

बताया जा रहा है कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान की सैन्य शक्ति की जासूसी करने के लिए अपने एमक्वू-9 ड्रोन को भेजा था। हालांकि, यह ड्रोन ईरान के एयर डिफेंस यूनिट की नजर में आ गया और उसे मिशन को पूरा करने से पहले ही मार गिराया गया है। इस हमले के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला किया था।

ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक दुश्मन जासूसी ड्रोन को रोकने के लिए 'आराश-ए-कमंगीर' सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। उसने इस सिस्टम को 'स्टीलथ-डिटेक्शन'की क्षमता वाला बताया, लेकिन इसके बारे में ज्यादा



तकनीकी जानकारी नहीं दी। ईरानी मीडिया ने कहा कि यह ईरानी हवाई क्षेत्र और समुद्री सीमाओं के पास उड़ान भरने वाले दुश्मन विमानों के लिए एक चेतावनी थी। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गई है, जब ईरान और अमेरिका शांति वार्ता कर रहे हैं और होर्मुज को लेकर एक दूसरे पर आक्रामक हैं।

ईरान मिसाइल डिजाइन के अलग-अलग रूपों में काफी हद तक आधुनिक हो गया है, और यूक्रेन की तरह, उसने भी युद्ध के आर्थिक समीकरणों को बदलने में

चीन रेगिस्तान में बना रहा विशाल मिसाइल लॉन्च पैड परमाणु भंडार के बेहद पास, सैटेलाइट तस्वीरों ने किया खुलासा

बीजिंग, 30 मई (एजेंसियां)। चीन के दूरदराज के रेगिस्तान में एक विशाल मिलिट्री कॉम्प्लेक्स तैयार किया जा रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि बीजिंग अपने परमाणु भंडार के पास लॉन्च पैड, बंकर और कम्प्युनिकेशन नोड्स का विशाल नेटवर्क बना रहा है। इस भंडार में चीनी सेना की सबसे लंबी दूरी की मिसाइलें रखी हैं। चीन की परमाणु मिसाइलें पहले से ही अमेरिका के किसी भी शहर तक पहुंच सकती हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इन सैटेलाइट तस्वीरों की जांच की है।

सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस मिलिट्री कॉम्प्लेक्स को इस तरह बनाया जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि चीन के न्यूक्लियर हथियारों पर अमेरिका का कोई भी पहला हमला, बीजिंग की जवाबी क्षमता को पूरी तरह खत्म न हो सके। चीन के शस्त्रागार में पहले से ही ऐसी मिसाइलें हैं, जो अमेरिका के



किसी भी शहर तक पहुंच सकती है। सैटेलाइट तस्वीरों की जांच में 80 से ज्यादा ऐसे लॉन्च पैड की जानकारी सामने आई है, जिनका इस्तेमाल चीन के बढ़ते हुए मिसाइल लॉन्चर और एयर डिफेंस बैटरी के बेड़े द्वारा किया जा सकता है। तीन सुरक्षा विश्लेषकों ने रॉयटर्स को बताया कि इन तस्वीरों में ऐसी सुविधाएं भी दिखाई देती हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सैटेलाइट कम्प्युनिकेशन और कमांड ऑपरेशन के काम आ सकती हैं। रेगिस्तान में बना यह नया

इंफ्रास्ट्रक्चर आठ भुजाओं वाले 2 ढांचे पर आधारित है। इन्हें पिछले छह साल में पूर्वी शिनजियांग प्रांत में बनाया गया है। दोनों ढांचे हामी परमाणु भंडार क्षेत्रों के दक्षिण-पश्चिम में स्थित हैं। इनमें से एक लगभग 140 किमी दूर है। वहीं, दूसरे लगभग 230 किमी दूर है।

इन ढांचों में सैनिकों के रहने की जगह और बड़े-बड़े सैन्य वाहनों के रखने की व्यवस्था है। यहां हवाई अड्डे और रेल लाइनें भी हैं जो इन ढांचों को हामी के परमाणु भंडार से जोड़ती हैं।

जंगल सफारी-नंदनवन जू घूमना हुआ महंगा

50% तक बढ़े टिकट के दाम बच्चों के लगेगे 100 रुपए, एसी बस के किराए में भी इजाफा

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। नवा रायपुर के नंदनवन जू और जंगल सफारी घूमने जाने वाले पर्यटकों को अब पहले से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ शासन के वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने जू एंट्री, सफारी राइड और दूसरी सुविधाओं के टिकट रेट में बड़ा बदलाव किया है। नई रेट पॉलिसी के तहत कई श्रेणियों में टिकट दरें औसतन 50% तक बढ़ाई गई हैं, जबकि कुछ कैटेगरी में यह बढ़ोतरी दोगुनी से भी ज्यादा है।

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

अमेरिका में पूर्व मेयर सीक्रेट चीनी एजेंट

सदर्न कैलिफोर्निया की एलीन वांग ने कोर्ट में कबूला गुनाह, हो सकती है 10 साल की जेल



की मेयर पद से इस्तीफा दे दिया था। उन पर अप्रैल में अमेरिका में एक विदेशी सरकार की एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा था। 56 साल की वांग नवंबर 2022 में पांच सदस्यीय नगर परिषद के लिए चुनी गई थीं, जिसमें से महापौर का चुनाव बारी-बारी से होता है। संघीय अभियोजकों का कहना है कि एलीन वांग का अवैध आचरण

फेडरल कोर्ट में शुक्रवार को गुनाह कबूला है। कोर्ट ने उनके कबूलनामों के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट 6 अक्टूबर को सजा सुनाएगा। सजा सुनाए जाने तक एलीन को 25,000 अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड पर रिहा किया गया है। इस केस में एलीन वांग को 10 साल तक की जेल और तीन साल तक निगरानी में रहने की सजा हो सकती है। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में अर्काडिया

पूर्व में है। 53,000 की आबादी वाले इस शहर में अधिकतर आबादी एशियाई है। यहाँ चीनी काफी बड़ी संख्या में रहते हैं। वांग के गुनाह कबूल करने के समझौते के मुताबिक,

वांग और उस समय उनके मंगेतर रहे याओजिंग माइक सन ने यूएस न्यूज सेंटर नाम की वेबसाइट पर पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के सरकारी अधिकारियों के प्रचार को बढ़ावा देकर उनके लिए काम किया था। सन पिछले अक्टूबर में इसी आरोप में अपना गुनाह कबूल करने के बाद चार साल की जेल की सजा काट रहे हैं। जून 2021 में एक सरकारी अधिकारी ने वांग को 'लॉस एंजिल्स टाइम्स' में छपे एक 'संपादक को पत्र' का लिंक भेजा था। यह पत्र लॉस एंजिल्स में मौजूद पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के महावाणिज्य दूत ने लिखा था।

रायपुर के कारोबारी की पुर्तगाल में हार्ट अटैक से मौत

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के कारोबारी अजय सुंदर निहलानी (49) की पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हार्ट अटैक से मौत हो गई है। डॉक्यूमेंटेशन पूरी होने के बाद अजय निहलानी का पार्थिव शरीर रायपुर लाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, कारोबारी अजय सुंदर भारत के 40 सदस्यीय दल के साथ एजुकेशनल टूर पर यूरोप पहुंचे थे।

इस दल में रायपुर से 2 लोग शामिल थे। यात्रा के दौरान अजय निहलानी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार ने इंडियन एंबेसी, पीएमओ और प्रशासन से शव भारत लाने सहयोग की अपील की है। इस खबर के बाद रायपुर में उनके परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। जल्द ही उनके पार्थिव शरीर को रायपुर

लाया जाएगा। अजय निहलानी के भाई संजय कुमार निहलानी ने बताया कि, दूर में अजय के साथ यात्रा कर रहे नीरज बाजपेयी बांडी लाने के लिए सारी फॉर्मैलिटी पूरी कर रहे हैं।

परिवार ने लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, भारतीय दूतावास, एयरलाइन प्रतिनिधियों और अन्य संबंधित एजेंसियों से अनुरोध किया है कि नीरज बाजपेयी को सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने में सहयोग दिया जाए। जिससे पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द रायपुर लाकर अंतिम संस्कार किया जा सके।

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंध ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पीएमओ इंडिया और संबंधित अधिकारियों को टैग करते हुए अजय सुंदर निहलानी के पार्थिव शरीर को भारत लाने में मदद की अपील की है।

14 साल के श्रेय ने स्पेलिंग बी प्रतियोगिता जीती

90 सेकेंड में 32 शब्द सही लिखे, लगातार पांचवीं बार भारतीय मूल का छात्र विजेता बना



शब्द सही लिखे, जिसके बाद निर्णायकों ने स्पेल-ऑफ कराया। स्पेल-ऑफ में 90 सेकेंड का भीतर ज्यादा से ज्यादा शब्दों की सही स्पेलिंग बतानी होती है। श्रेय ने 35 में से 32 शब्द सही बताए और नया रिकॉर्ड बना दिया। ईशान ने 25 शब्द सही लिखे।

एक विजेता तय करने के लिए 2021 में स्पेल-ऑफ नियम शुरू किया गया था। इसमें एक प्रतियोगी मंच पर स्पेलिंग बताता

है, जबकि दूसरा अलग कमरे में हेडफोन लगाकर बैठता है। बाद में दोनों से वही शब्द उसी क्रम में पूछे जाते हैं।

"नेशनल स्पेलिंग बी" की शुरुआत 1925 में वॉशिंगटन डीसी में हुई थी। पहली प्रतियोगिता में सिर्फ 9 बच्चों ने हिस्सा लिया था। 11 साल के फ्रैंक न्यूहॉसर पहले विजेता बने थे और उन्हें 500 डॉलर के सोने के सिक्के पुरस्कार में मिले थे।

मंदिर-हसौद में चाकू मारकर युवक का मर्डर

है। जानकारी के मुताबिक, सतनामी मोहल्ला निवासी तोषक भारती की आपसी विवाद के बाद चाकू मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की। वहीं घर के बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगा दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

बीते दो दिनों में मंदिर हसौद

पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा



अभी ज्येष्ठ अधिक मास चल रहा है। 30 मई की दोपहर करीब 12 बजे पूर्णिमा तिथि शुरू हो चुकी है और अगले दिन 31 की दोपहर करीब 2.15 बजे खत्म होगी।

अधिक मास करीब 3 साल में एक बार आता है, इसलिए इस पूर्णिमा का धार्मिक महत्व काफी अधिक है। इस दिन सुबह-सुबह नदी स्नान कर सकते हैं।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर स्नान-दान, व्रत, भगवान विष्णु और चंद्र देव की पूजा करने के साथ ही इस तिथि पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा है। मान्यता है कि इन शुभ कामों से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भगवान विष्णु के स्वरूप हैं भगवान सत्यनारायण

हर माह पूर्णिमा तिथि पर भगवान सत्यनारायण की कथा करने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। पूर्णिमा पर विशेष रूप से भगवान विष्णु और उनके अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। सत्यनारायण भी विष्णु जी का ही एक स्वरूप है, इस वजह से पूर्णिमा पर इनकी कथा पढ़ने-सुनने और पूजा करने की परंपरा है।

सत्यनारायण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है-

सत्य = जो शाश्वत और अपरिवर्तनीय है नारायण = परमात्मा, जो समस्त जीवों में स्थित हैं

अर्थात सत्यनारायण वह परम सत्य हैं जो सम्पूर्ण सृष्टि के आधार हैं।

सत्य का धर्म का मूल कहा गया है। सत्यनारायण कथा केवल पूजा नहीं, बल्कि सत्य आचरण का संदेश भी देती है। कथा में बार-बार यह बताया गया है कि जो व्यक्ति असत्य बोलता है, वचन तोड़ता है या अहंकार करता है, उसे कष्ट मिलता है।

सत्यनारायण भगवान की कथा का संदेश क्या है? स्कंद पुराण के रेवाखंड में भगवान सत्यनारायण की कथा है। यह कथा संस्कृत भाषा के करीब 170 श्लोकों में है। कथा पांच अध्यायों में है और इसके दो खास विषय हैं। एक है संकल्प की भूलना और

दूसरा है प्रसाद का अपमान करना। सत्यनारायण कथा में अलग-अलग छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है कि सत्य का पालन न करने पर किस तरह की परेशानियां हमारे जीवन में आ सकती हैं। सत्य का पालन न करने पर भगवान भी भक्त का साथ नहीं देते हैं। जो लोग सच का साथ नहीं देते, उन्हें भगवान के क्रोध का सामना करना पड़ता है। हर पूर्णिमा पर यह कथा पढ़ने से हमें सच बोलने की और झूठ से बचने की प्रेरणा मिलती है।

सत्यनारायण भगवान की पूजा के लिए जरूरी चीजें

सत्यनारायण पूजा में केले के पत्ते और फलों का विशेष महत्व है। इनके साथ ही पंचामृत, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, दुर्वा भी रखी जाती हैं। पूजा में दूध, शहद, केला, गंगाजल, तुलसी, मेवा मिलाकर पंचामृत तैयार किया जाता है। प्रसाद के रूप में हलवे का भोग लगाया जाता है। इस कथा का पाठ किसी ब्राह्मण की मदद से विधि-विधान से करवाएंगे, तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

सत्यनारायण व्रत से जुड़ी कथा

कथाओं के मुताबिक, पुराने समय में जब देवर्षि नारद ने पृथ्वी पर लोगों को दुख, दरिद्रता और पापों से पीड़ित देखा, तब वे भगवान विष्णु के पास गए और पूछा कि कलियुग में व्यक्ति सरल तरीके से कैसे सुख और मोक्ष प्राप्त कर सकता है। तब भगवान ने सत्यनारायण व्रत का विधान बताया था।

स्कन्द पुराण में कहा गया है-

सत्यनारायणं देवं वन्देऽहं कामदं प्रभुम्।

लीलया विततं दिश्वं येन तस्मै नमो नमः॥

अर्थ- सत्यस्वरूप भगवान नारायण समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने वाले हैं। उनका स्मरण और व्रत मनुष्य के कष्ट दूर करता है।

बालकनी की सही दिशा चमका सकती है आपका करियर



है। उत्तर दिशा की बालकनी को आर्थिक अवसर और करियर ग्रोथ से जोड़ा जाता है। उत्तर-पूर्व दिशा की बालकनी को आध्यात्मिक विकास और मानसिक स्पष्टता के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

हवा और धूप जरूरी

खिड़कियां घर के अंदर और बाहर की ऊर्जा के आदान-प्रदान का अहम हिस्सा हैं। माना जाता है कि पर्याप्त धूप और ताजी हवा से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में ताजगी बनी रहती है। वास्तु विशेषज्ञ का कहना है कि

खासकर सुबह के समय, खिड़कियां जरूर खोलें ताकि ताजा ऊर्जा घर में आ सके।

बालकनी को साफ और व्यवस्थित रखें

बालकनी को अव्यवस्थित ना रखें, यह वास्तु का एक आम सुझाव है। टूटा फर्नीचर, बेकार सामान या ज्यादा स्टोरेज ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है। साफ-सुथरी और सजी-संवरी बालकनी सकारात्मक माहौल बनाती है और मन को शांति देती है। वास्तु में पौधों को प्राकृतिक उपाय माना गया है। तुलसी, चमेली, मनी प्लांट और फूलों वाले पौधे बालकनी में सकारात्मकता और ऊर्जा बढ़ाते हैं। साथ ही ध्यान रखें कि बालकनी के पास कांटेदार पौधे जैसे कैक्टस ना रखें, क्योंकि इन्हें ऊर्जा में बाधा से जोड़ा जाता है।

खिड़की वास्तु के लिए सही संतुलन

आदर्श रूप से, खिड़कियां बाहर की और खुलनी चाहिए और आसानी से खुलनी चाहिए। टूटी या गंदी खिड़की से अच्छी ऊर्जा नहीं आती। नियमित सफाई और देखभाल से घर में प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा अच्छे से आ सकती है। खिड़कियों पर हल्के रंग के और सांस लेने वाले कपड़े के परदे लगाएं। इससे घर का माहौल हल्का और खुशनुमा बना रहेगा।

इन आम गलतियों से बचें

खिड़कियों के पास भारी फर्नीचर रखना।

बालकनी को सामान रखने की जगह बनाना।

टूटे गमले या खराब सजावट की चीजें संभाल कर रखना।

बहुत गहरे रंग के परदे लगाना, जिससे प्राकृतिक रोशनी ना आ सके।

कभी दान में न दें ये 5 चीजें, वरना चली जाएगी घर की खुशहाली!



वास्तु शास्त्र एक प्राचीन विज्ञान है। इसमें घर और उससे जुड़े कई नियम बताए हैं, ताकि इंसान का जीवन खुशहाल हो सके, लेकिन कई बार व्यक्ति छोटी छोटी गलतियां करके वास्तु दोष को बुलावा देता है और फिर घर को चारों ओर से परेशानियों घेर लेती हैं। हिंदू धर्म शास्त्रों और वास्तु शास्त्र में दान को बहुत महत्व दिया गया है। दान करने पुण्य में वृद्धि होती है।

पुण्य के प्रभाव से ही जीवन में खुशहाली आती है।वास्तु शास्त्र के अनुसार, शुद्ध हृदय से दान करने पर नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है, लेकिन वास्तु के जानकार कुछ चीजों को दान करने से बचने की भी सलाह देते हैं। वास्तु के अनुसार, झाड़ू और कुछ अन्य सामान दान में देने से बचना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो उसका प्रभाव घर की सुख-शांति पर नजर आने लगता है।

कभी न दान करें ये चीजें

झाड़ू: हिंदू धर्म में झाड़ू को धन की देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मान्यता है कि झाड़ू का दान करने से घर से स्थिरता चली जाती है। घर की सुख-समृद्धि में कमी आने

लगती है। ऐसे में झाड़ू का कभी भी दान न करें।

बासी खाना: बासी या बचा हुआ भोजन दान करना शुभ नहीं माना जाता। ये दान की भावना के खिलाफ है। दान देते समय ताजा, साफ और ठीक तरीके से तैयार किया गया भोजन ही दान में दें। नुकली चीजें: चाकू, कैची या ब्लेड जैसी वस्तुएं आमतौर पर दान में देने से बचें। ये वस्तुएं काटने या अलग करने से जुड़ी मानी

जाती हैं। इन चीजों को दान में देने से संघर्ष और तनावपूर्ण संबंध जन्म ले सकते हैं।

फटे-पुराने जूते: खराब या फटे-पुराने जूते भी कभी दान नहीं करें। यह जीवन में आने वाली बाधाओं या कठिनाइयों का प्रतीक माना जाता है। अगर आप जूते दान करना चाहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि उसका उपयोग किया जा सके।

टूटे हुए बर्तन: कभी भी टूटे हुए बर्तन, खराब सामान या इलेक्ट्रॉनिक सामान दान में नहीं दें। इन चीजों का दान दान-पुण्य की लापरवाही को दर्शाता है। ऐसी चीजों के दान का संबंध नकारात्मक ऊर्जा या अस्थिरता से जोड़ा जाता है।

अच्छी पुस्तकों से जीवन में आगे बढ़ने का साहस मिलता है और सोच सकारात्मक बनती है

पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र हैं। वे हमें ज्ञान, प्रेरणा और सही मार्गदर्शन देती हैं। अच्छी पुस्तकों से जीवन में आगे बढ़ने का साहस मिलता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। पुस्तकों में महान ऋषियों, विद्वानों और महापुरुषों के विचार और अनुभव संचित रहते हैं। उनमें त्याग, तपस्या, आदर्श, बलिदान, शौर्य और धैर्य की प्रेरक कथाएं मिलती हैं। पुस्तकें हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं और हमें संस्कारवान बनाती हैं। इसलिए पुस्तकें पढ़नी चाहिए।

अपने भीतर ही एक नायक को रचने की तैयारी करें

पहले इंसान बनाने का काम माता-पिता, गुरुजन और समाज द्वारा किया जाता था। यह अभी भी चल रहा है, लेकिन सावधानी नहीं रखी तो इंसान बनाने का काम मशीन हाथ में ले लगे। इसलिए टेक कंपनियों के कार्यो पर आध्यात्मिक फिल्टर लगाने का समय आ गया है। हमारी संस्कृति में परमात्मा ने एक अनूठा प्रयोग किया है और वो है

अवतार का प्रयोग। भगवान जब अवतार लेते हैं तो मनुष्य बनकर आते हैं और वो सारी क्रियाएं करते हैं, उन सभी घटनाओं से गुजरते हैं- जिससे मनुष्य गुजरता है। वो अपनी लीला में यह संदेश दे जाते हैं कि मैंने मनुष्य बनकर कठिन समय में जो-जो भी किया, अच्छे समय को जैसे भी भोगा, वही तुम लोग करो।

अवतार सिखाते हैं अपने भीतर शांति-साधना का नायक तैयार करो। आज हमारे अधिकांश लीडरों के भीतर न तो शांति है और न ही कोई साधना है। वो साधन से नेता बन गए, साधना से नहीं बने। जब बाहर की दुनिया में ऐसे नायक की संभावना समाप्त हो जाए तो हमें अपने ही भीतर उसकी तैयारी करनी पड़ेगी।

द्रौपदी के अलावा अर्जुन की थीं ये 3 और पत्नियां

महाभारत में अर्जुन और द्रौपदी की कहानी सबसे ज्यादा चर्चित रही, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अर्जुन की द्रौपदी के अलावा भी तीन और पत्नियां थीं। इनमें नागकन्या उलूपी, चित्रांगदा, और सुभद्रा का उल्लेख मिलता है। खास बात यह है कि इनमें से एक पत्नी के पुत्र ने युद्ध में अर्जुन जैसे महान धनुर्धारी को भी पराजित कर दिया था। अर्जुन के इन रिश्तों और उनके पुत्रों की कहानियां महाभारत के कई रोचक रहस्यों को उजागर करती हैं, जो आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं।

एक शांत नदी, जिसमें छुपा था राज - अपने वनवास के दौरान एक दिन अर्जुन पवित्र गंगा नदी के किनारे विश्राम कर रहे थे। चारों तरफ शांति और सुकून भरा पल था। लेकिन उस शांत सतह के नीचे कुछ अנוखा छुपा था। जैसे ही वे पानी में उतरे, एक अदृश्य शक्ति ने अचानक उन्हें गहराई में खींच लिया। जब अर्जुन ने आंखें खोलीं, वे अब नदी में नहीं थे। वे नागलोक में थे, जो पानी के नीचे बसी एक रहस्यमयी दुनिया थी। यह आम लोगों के लिए नहीं थी, फिर भी अर्जुन वहां बिना डरे खड़े थे। उनका साहस उन्हें अनजान जगहों का सामना करने की ताकत देता था। राजकुमारी जिसने अर्जुन को चुना - नागलोक में अर्जुन की मुलाकात हुई उलूपी से, जो नागराज की राजकुमारी थी और उन्हें वहां लाई थी। वह अर्जुन की ताकत, अनुशासन और चरित्र से बहुत प्रभावित थी। उसने अपने दिल की बात साफ-साफ अर्जुन से कही और विवाह का प्रस्ताव रखा। अर्जुन ने उसकी सच्चाई को समझा और विवाह के लिए हां कर दी। यह पल शक्ति या अधिकार का नहीं, बल्कि जुड़ाव का था। यह याद दिलाता है कि कई बार सबसे अנוखे रिश्ते हमारी ज़िंदगी में किसी वजह से आते हैं।

अर्जुन की पत्नियां - अधिकतर लोग अर्जुन के जीवन में



सिर्फ द्रौपदी के बारे में जानते हैं। लेकिन उनका विवाह सुभद्रा से भी हुआ था, जो भगवान कृष्ण और बलराम की बहन, वसुदेव और रोहिणी की पुत्री थीं। द्रौपदी और सुभद्रा के साथ-साथ अर्जुन का विवाह उलूपी और चित्रांगदा से भी हुआ था। इन रिश्तों के बारे में बहुत कम चर्चा होती है, जबकि इनका उनकी यात्रा में अहम रोल रहा। ये दिखाते हैं कि जीवन एकतरफा नहीं होता।

पुत्र जिसने पिता को हराया - महाभारत युद्ध के बाद

पुष्कर का अनूठा दुर्गा माता मंदिर, जहां दीवारों पर दिखती है श्रद्धा की लाल चमक

अजमेर। तीर्थ नगरी पुष्कर में स्थित जगत पिता ब्रह्मा मंदिर देशभर में अपनी धार्मिक महत्ता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन इसी परिसर में स्थित माता दुर्गा मंदिर भी श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। यह मंदिर अपनी अנוखी परंपरा के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित करता है। यहां मंदिर की दीवारों लाल रंग की बिंदियों से सजी हुई दिखाई देती हैं। ये वही बिंदियां हैं, जिन्हें सुहागिन महिलाएं अपने माथे पर लगाती हैं। इस परंपरा के पीछे महिलाओं की गहरी श्रद्धा और विश्वास जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि माता दुर्गा के दरबार में बिंदी अर्पित करने से विवाहित जीवन सुखमय बना रहता है और माता अपने भक्तों के सुहाग की रक्षा करती हैं। यही वजह है कि दूर-दराज से आने वाली महिलाएं मंदिर में पहुंचकर श्रद्धा के साथ दीवारों पर बिंदी चिपकाती हैं और अपने परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। मंदिर में प्रवेश करते ही चारों ओर लगी लाल बिंदियां श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की जीवंत तस्वीर पेश करती हैं।

मनौती पूरी होने पर श्रद्धा से शुरू हुई परंपरा

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि मंदिर की दीवारों पर बिंदी



लगाने की यह परंपरा मनौती पूरी होने के बाद श्रद्धा से शुरू हुई थी और अब हजारों महिलाओं की आस्था का हिस्सा बन चुकी है। पुजारी का कहना है कि माता दुर्गा सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी करती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखती हैं।

सुहाग की रक्षा करती हैं माता

जोधपुर से माता के दर्शन करने आई लक्ष्मी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ पुष्कर ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के लिए आई थीं। यहां स्थित माता दुर्गा मंदिर के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने भी दर्शन किए और बिंदी अर्पित की। लक्ष्मी ने कहा कि उन्होंने सुना था कि यहां बिंदी लगाने से माता सुहाग की रक्षा करती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं, इसलिए उन्होंने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की।

वहीं रेखा भाटी ने कहा कि माता दुर्गा सबकी इच्छाएं पूरी करती हैं। इसी विश्वास के साथ उन्होंने मंदिर की दीवार पर बिंदी लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। आस्था और परंपरा का यह अנוखा संगम पुष्कर के इस मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए और भी विशेष बना देता है।

कर्नाटक में कांग्रेस का मास्टरस्ट्रोक या बीजेपी के भाग्य खुले

कर्नाटक में कांग्रेस ने कार्यकाल के बीच सीएम बदल दिया। 77 साल के सिद्धारामैया की जगह 64 साल के डीके शिवकुमार होंगे। कहा जा रहा है कि ये फैसला एक सीक्रेट डील के तहत हुआ। लेकिन बीजेपी को दो तैयार मुद्दे मिल गए- ओबीसी नेता की अनदेखी और दागदार छवि वाले नेता को कर्सी।

मई 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव हुए। सिद्धारमैया की मोहाल इंजीनियरिंग और डॉके शिवकुमार की मेहनत और इलेक्शन मैनेजमेंट की बदौलत कांग्रेस को बहुमत मिला। 224 में से 135 सीटें। सीएम की कुर्सी पर सिद्धारमैया और डॉके दोनों ने दावा किया। बंद करमे में 5 दिन मर्राशन बैठकें हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, महाराष्ट्र में केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला शामिल हुए। आखिरकार 19 मई 2023 को कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को सीएम और डॉके को डिप्टी सीएम बनाने की घोषणा हुई।

घोषणा के बाद डोके ने हल्की मुस्कान के साथ कहा- कर्नाटक में 5 साल तक कांग्रेस सरकार चलेगी। डोके के जेन्सचर से कायास लगने लगे कि कर्नाटक में ढाई-ढाई साल के सीएम पर बात बनी है। 'कांग्रेस आलाकमान की उस मीटिंग में तय किया गया कि सिद्धार्थैया और डोके शिवकुमार ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनेंगे। तब डोके चाहते थे कि इस फैसले का ऐलान किया जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।'

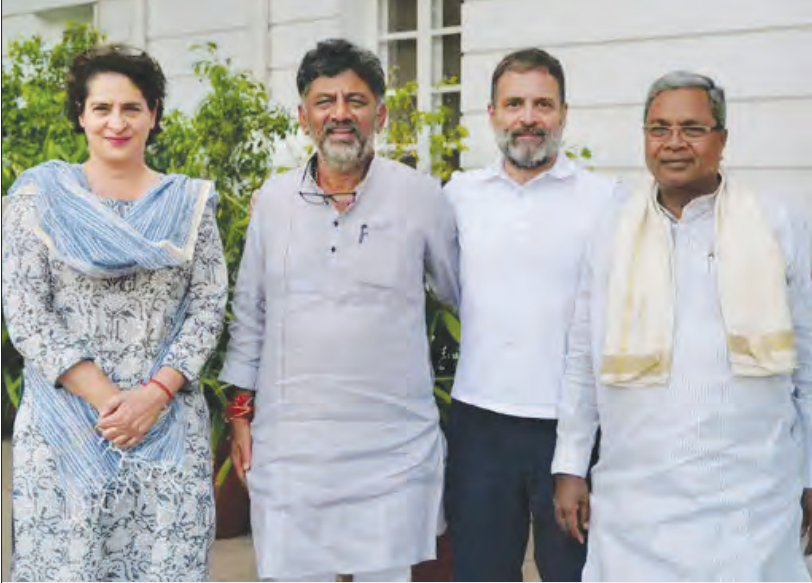
20 नवंबर 2025 का जब सिद्धारमैया का कार्यकाल के ढाई साल पूरे हुए, तब भी लामबंदियां और बयानबाजियां शुरू हुईं। डीके और उनके समर्थक 'सीक्रेट डील' को पूरा करने का दबाव बना रहे थे, जबकि सिद्धारमैया इससे इनकार कर रहे थे। ऐसे में आलाकमान

ने दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाकर समझावश करे। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। 20 मई 2026 को सिद्धार्थ मिया के 3 साल पूर्ण हो गे। सीएम बदलने की चर्चा फिर शुरू हुई। कांग्रेस आलाकमान ने सीएम सिद्धार्थ मिया को अचानक दिल्ली तलव किया। 5 दशकों से राजनीति करने वाले सिद्धार्थ मिया समझ गए। माजरा क्या है। सो उन्होंने इंदिरा भवन जाने से पहले पावर सौ कर दिया। दिल्ली के कर्नाटक पवन में अपने वफादारों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग की। मेज पर सिद्धार्थ मिया के चारों ओर सौ परमेश्वर, सतीश जाकोहोली और एससी महादेवय्या जैसे उनके खास मंत्री बैठे थे। कुछ विधायक भी मौजूद थे।

11 बजते हो इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष
मल्लिकार्जुन खड्गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष
राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी
वेणुगोपाल, कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह
सुरजेवाला, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार
एक-एक करके पहुंचे।

राहुल लंच के लिए अपने घर चले गए, जहाँ उन्होंने सोनिया गाँधी और प्रियंका गाँधी वाड्रा से बातचीत की। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चाहती थीं कि कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन हो। इसके बाद राहुल फिर इंदिरा पबन पहुँचे। मीटिंग में सिद्धारमैया को दो ऑफर दिए गए। पहला कि आप राज्यसभा आएँ और सेंटरल डराशिप में काम करिए। दूसरा कि आपके बेटे यतींद सिद्धारमैया को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए। इस पर सिद्धारमैया ने कहा कि उन्हें परिवार और करीबीयों से सलाह-मशवरा करना है। इसके लिए उन्होंने वक्त मांगा।

शाम पाने 6 बजे मॉडिया से बातचीत करते हुए वेणुगोपाल ने कहा- जो अटकलें लगाई जा रही हैं, वे सिर्फ अटकलें हैं। 28 मई को सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में अपने आवास पर



ब्रेकफास्ट मीटिंग की, जिसमें डीके शिवकुमार समेत पूरा मंत्रिमंडल शामिल हुआ। यहां सिद्धार्थमैया ने ऐलान किया कि मैं कुर्सी छोड़ रहा हूँ।

संसदीय कार्य मंत्रालय के पाटल ने बताया कि मीडिया में डीके शिवकुमार के नाम पर भ्रम फैल चुका है। वह अगले सीएम होंगे। मीडिया में डीके ने सिद्धारमैया के पैर छुए। फिर सिद्धारमैया ने उन्हें नहीं लगा लिया। इसके बाद सिद्धारमैया ने लोकभवन पहुँचकर राज्यपाल की अपरिचितता से जवाब दिया कि वह सिद्धारमैया के साथ हैं।

मैं विशेष सचिव प्रभु शंकर को अपना इस्तीफा सौंप दिया। वक्त रहते पार्टी की बगावत मैनेज करना: कांग्रेस आलाकमान जानता है कि ज्यादातर

वहीं, डीके शिवकुमार भी कानटक कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी जगह संतोष जोरनकीहोली ले सकते हैं, जो सिद्धारमैया के खास सिनेपसहलर हैं और और कान्टिक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। डीके के सीएम बनने

किया जा सके।

सिद्धारमैया के दूसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप लगे हैं। मौसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी स्कैम में तो सिधे सिद्धारमैया के परिवार को घेरा जा रहा है। इसके चलते उनके परिवार को 14 प्लॉट छोड़ने पड़े। सिद्धारमैया के खिलाफ एंटी-इन्कम्बेन्सी फैक्टर एक्टिव हो सकता है। जिसे बीजेपी-JDS बना सकती है।

डीके कानूना के रसूखदार वोकाफालिग (15%) समुदाय के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। उनके समर्थकों ने साफ कर दिया था कि अगर डीके को नजरअंदाज किया, तो यह पूरे समुदाय का अपमान माना जाएगा। इससे ओल्ट मैयूर में कांग्रेस का आधार पूरी तरह खिलस सकता था। ओल्ट मैयूर बेल्ट में 61 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 39 कांग्रेस के पास हैं, यानी 64% सीटें। हालांकि यहां की 12 लोकसभा सीटों में से सिर्फ 2 कांग्रेस के पास हैं। डीके की छवि कांग्रेस में 'संकटमोचक' और 'फंड मैनेजर' की है। 2023 के चुनावों में महलफामा के मुताबिक, डीके का पास 1413.7 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उनका माईजिंग, रियल एस्टेट, एजुकेशन और ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। वो दूसरे राज्य में भी कांग्रेस के इलेक्शन मैनेजमेंट में माहिर हैं। नवंबर 2025 में उन्होंने कहा था- मेरी कोशिश है कि मैं राज्य में 100 कांग्रेस ऑफिस बनवाऊं।

उठापटक का फायदा बाजेपों को
बाजेपों 66 सीटों के साथ अभी कर्नाटक में
दूसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं। पिछले दो
विधानसभा चुनावों में 36%, जबकि 2024 के
लोकसभा में 46% वोट मिले। वहीं उसकी
साथी JDS के पास 19 सीटें हैं। उसके पास
भी करीब 15% वोट शेयर है।

राज्य के लगायत (17%) समुदाय में बीजपा

मजबूत है। कद्दावर नेता बीएस यedurप्पा भी लिंगायत हैं और उनकी इस पर मजबूत पैठ है। एचडी देवगौड़ा की JDS के साथ अलायंस कर बीजेपी ने वोक्कालिंगा में भी सेंध लगाई है। अदर असल, देवगौड़ा वोक्कालिंगा समुदाय से आते हैं। उन्हें समुदाय में 'मण्णिना मंगा' यानी धरतीपुत्र कहा जाता है।

बीजेपी नरैटिव बना सकती है कि कांग्रेस पिछड़ों को विरोधी है और उसने ओबीसी नेता को हटाकर आलाकमान के 'फंड मैनेजर' को कुर्सी सौंप दी। कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम देवराज उरुन के बाद सिद्धारमैया कर्नाटक में 'अहिंदा' समुदाय के सबसे बड़े नेता हैं। अहिंदा में अल्पसंख्यक, पिछड़ा और दलित शामिल हैं, जिनकी आबादी 62% है।

अहिंदा नेता लखन जाऱकीहाला ने भी दावा किया कि सिद्धारमैया के कुर्सी छोडने से अहिंदा वोटर्स काँग्रेस से छिटक सकते हैं। अहिंदा के दम पर ही 2013 और 2023 में काँग्रेस को सत्ता मिली।

डीके वोक्कालिंगा जाति से हैं। जिस तरह नाथ में यादव वोर्ट्स हैं, वैसे ही कर्नाटक में वोक्कालिंगा। डीके के सीएम बनने से वोक्कालिंगा मजबूत होंगे। जबकि पिछड़े और दलित वोर्ट्स को लगना कि उनकी अदेखी हो रही है, जिससे वे बीजेपी-जेडीएस के साथ हो सकते हैं।

बीजेपी कोशिश करेगा कि डॉक के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाया जाए। 2023 के चुनावी हलफनामे में डॉके ने बताया था कि उन्होंने खिलाफ 19 केस हैं, जिनमें ED, CBI और इनकम टैक्स से जुड़े मामले हैं। इन्हीं के अन्वेषण वे जेल भी जा चुके हैं। बीजेपी ये मुद्दा उठाएगी और इससे मिडिल क्लास पर अरब पड़ेगा, लेकिन क्या कर्नाटक में कार्रवाई इतना बड़ा मुद्दा है? मेरे हिसाब से तो नहीं।

मुफ्त समझे गए पानी का महंगा सच

हम पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर लंबी बहस करते हैं, बिजली के बिल बढ़ने पर चिंता जताते हैं, लेकिन जिस संसाधन पर जीवन स्वयं निर्भर है, उसकी कीमत को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। पानी हमें प्रकृति से मिलता है और अधिकांश लोगों को यह आसानी से उपलब्ध हो जाता है, इसलिए इस महत्व को एहसास तक नहीं होता जब तक उसकी कमी सामने न आ जाए।

माइप्लाइन में बिछाई जाती हैं और जल आपूर्ति के लिए बड़े-बड़े प्रकल्प शुरू किए जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि यदि पानी का संरक्षण समय रहते किया जाता, तो क्या इतनी बड़ी लागत उठाने की आवश्यकता पड़ती?

वेडबना यह भी है कि जल सकट से निपटने के नाम पर सरकारें और राजनीतिक दल अक्सर आरोप-प्रत्यारोप में अधिक रुचि लेते

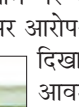


यही कारण है कि आज जल संकट धीरे-धीरे एक ऐसी चुनौती के रूप में उभर रहा है, जो आने वाले वर्षों में विकास, अर्थव्यवस्था और मानव जीवन सभी को प्रभावित कर सकती है।

दैनिक जीवन में पानी के प्रति हमारी लापरवाही साफ दिखाई देती है। सड़कों पर वाहन धोने से लेकर घरों में बेवजह बहने नलों तक, पानी की बर्बादी आम बात बन चुकी है। कई लोग यह सोचकर निश्चित रहते हैं कि पानी तो फिर आ जाएगा, लेकिन यह नहीं समझते कि पृथ्वी पर उपलब्ध-मीठे जल का भंडार सीमित है। पानी की एक-एक बूंद प्रकृति के लंबे चक्र का परिणाम होती है। सूर्य की गर्मी से जल वाष्प बनता है, बादल बनते हैं, वर्षा होती है और फिर नदियाँ, तालाबों तथा भूजल स्रोतों के माध्यम से यह हमारे पास पहुँचता है। यह प्रक्रिया जितनी सरल दिखाई देती है, उतनी ही नहीं। इसलिए पानी का विकल्प आज भी दुनिया के पास नहीं है। मनुष्य भोजन के बिना कुछ दिनों तक जीवित रह सकता है, लेकिन पानी के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हम पानी को सबसे सस्ता और सबसे अधिक उपलब्ध संसाधन मानकर उसका दुरुपयोग करते रहते हैं। जल संरक्षण के प्रति यह उद्देशनात्मक भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

सरकार भी इस समस्या से पूरी तरह अछूती नहीं हैं। हर वर्ष गर्मी के मौसम में जल संकट की खबरें सामने आती हैं। कहीं टैंकों से पानी पहुंचाया जाता है, तो कहीं लोग कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर होते हैं। करोड़ों रुपये की योजनाएं बनती हैं, नई

माइप्लाईने बिछाई जाती हैं और जल आपूर्ति के लिए बड़े-बड़े प्रकल्प शुरू किए जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि यदि पानी का संरक्षण समय रहते किया जाता, तो क्या इतनी बड़ी लागत उठाने की आवश्यकता पड़ती?



वर्डबाना यह भी है कि जल संरक्षण से निपटने के नाम पर सरकारों और राजनीतिक दलों के अक्सर आरोप-प्रत्यारोप में अधिक रुचि लेते दिखाई देते हैं। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता भी कई बार राजनीतिक का विषय बन जाती है। जबकि आवश्यकता इस बात की है कि जल संरक्षण को राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि सामाजिक अभियान बनाया जाय। पानी की वास्तविक कीमत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आज बोलतलबंद पानी का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जिन क्षेत्रों में स्वच्छ जल की कमी है, वहां लोग पानी खरीदने को मजबूर हैं। उद्योगों की भी बड़े पैमाने पर पानी की

आवश्यकता होती है। यदि जल स्रोत लगातार घटते रहे, तो इसका सीधा असर कृषि, उद्योग और रोजगार पर पड़ेगा। इसलिए पानी को केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि विकास की आधारशिला के रूप में देखने की आवश्यकता है।

मुल्या के कई देशों ने जल संकट को नियंत्रणवर्तक को समझते हुए कठोर कदम उठाए हैं। पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश में जल संसाधनों को लेकर गंभीर चिंताएं बार-बार सामने आती रही हैं। अनेक देशों में भूजल दोहन पर कड़े नियम लागू किए गए हैं। यह उपेक्षित है कि भविष्य में जल संसाधनों पर संघर्ष और प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। ऐसे में भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए जल संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। शहरीकरण की तेज गति ने भी समस्या को बढ़ाया है। कंक्रीट के जंगलों ने वर्षा जल के प्राकृतिक संचयन को बाधित किया है। बड़े-बड़े भवन और सड़कें तो बन रही हैं, लेकिन वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था अक्सर उपेक्षित रह जाती है। परिणामस्वरूप बारिश का पानी बहकर निकल जाता है और भूजल स्तर लगातार गिरता जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती है। आज जरूरत केवल सरकारी योजनाओं की नहीं, बल्कि जनभागीदारी की है। वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए, जलाशयों का अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए, सरकारी बोरेवॉलों के पास रियाजिंग की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए तथा सूखते तालाबों और कुओं का पुनर्जीवन किया जाना चाहिए। साथ ही नागरिकों को भी पानी की ज़रूरतों से लेकर उनकी जिम्मेदारी निभानी होगी।

जहां विचार है, वहीं लोकतंत्र भी जीवित रहता है

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत क्या है ? चुनाव, संसद, संविधान या सरकार ? निम्नसंदेह है। ऐसी महत्वपूर्ण है, लेकिन इन सबसे पहले लोकतंत्र शक्ति है जो लोकतंत्र को जीवित रखती है, वह है सवाल पूछने की स्वतंत्रता। जिस दिन समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, उसी दिन लोकतंत्र का क्षरण शुरू हो जाता है। दुर्भाग्य से आज भारत में कई घटनाएँ ऐसी दिखाई देती हैं जो यह संकेत देती हैं कि प्रश्न पूछने वालों को संदेह की नजर से देखा जा रहा है, जबकि गुप्त रहने वालों को आदर्श नागरिक मान लिया गया है।



विपरीत, यह एक जागरूक समाज का प्रमाण है। सवाल इसलिए उठते हैं क्योंकि लोगों को व्यवस्था से उम्मीद होती है। जहां उम्मीद समाप्त हो जाती है, वहां प्रश्न भी समाप्त हो जाते हैं।

समस्या तब पैदा होती है जब आलोचना को शत्रुता और असहमति को अपराध की तरह देखा जाने लगता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में नागरिकों को केवल प्रशंसा करने का अधिकार नहीं होता, बल्कि सवाल पूछने का भी अधिकार होता है। यदि कोई छात्र परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाता है, तो उसके तर्कों का जवाब दिया जाना चाहिए। यदि कोई नागरिक प्रशासनिक विफलताओं की ओर ध्यान दिलाना है, तो उसकी बात सुनी जानी चाहिए। लेकिन जब सवालों के उत्तर देने के बजाय सवाल पूछने वालों की नीयत पर ही प्रश्नचिह्न लगाए जाने लगें, तब लोकतंत्र की आत्मा

युवाओं की नसों में घुलता निकोटीन जहर

योगेश कुमार गोयल

बावजूक मानस संस्थक का ऐसा मौन शत्रु है, जिसकी विनाशकारी शक्ति को लेकर अब किसी प्रकार का संशय शेष नहीं रह गया है। पिछले कई दशकों में विश्वभर में हुए नहजों वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध किया है कि धूम्रपान अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन शरीर के लिए घातक है। इसके बावजूक जब कम उम्र के किशोरों और युवाओं को सिगरेट, बीडी, ई-सिगरेट, गुटका, पान मसाला अथवा अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखा जाता है तो यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक चेतना का भी गंभीर संकट प्रतीत होता है। वास्तव में किशोरों के मन में तंबाकू को लेकर अनेक भ्रम भर कर जाते हैं। उन्हें लगता है कि धूम्रपान से तनाव कम होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, मन शांत रहता है या फिर यह आधुनिकता और परिपक्वता का प्रतीक है। विज्ञानियों, फिल्मों, सोशल मीडिया और मित्र समूहों के प्रभाव से यह भ्रम और भी बहरा हो जाता है जबकि वैज्ञानिक सत्य इससे बिल्कुल विपरीत है। तंबाकू न तो शक्ति देता है, न व्यक्तित्व निखारता है और न ही तनाव का स्थायी समाधान है। सचार्थ यह है कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो शरीर के भीतर चुपचाप अपना विनाशकारी प्रभाव छोड़ता रहता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियाँ, स्ट्रोक और अनेक घातक रोगों को जन्म देकर व्यक्तित्व को धीरे-धीरे मृत्यु की ओर धकेलता है। इसलिए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता आज केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष

लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विषयभर में 31 मई को 'विषय तंबाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विषय तंबाकू निषेध दिवस 'आकर्षण का पर्योकाश: निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करने विषय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्मों इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैरी, जिन इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य की गंभीर नुक्सान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं

गेष से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खरानाक रसायन तावावगर्न में घुलते हैं। हालाँकि समर्थन महंगी होने के कारण भारत में बीडी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीडिया का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुस्तकृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा देता है और हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और क्योंकि को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुँचा देता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजोज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की अनुसूचना माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियों धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या तम्बाकू फीसदी से अधिक है। विविध स्वास्थ्य संगठन के अनुसार फेफड़ों के कैंसर के कारण प्रतिवर्ष करीब आठ हजार व्यक्ति मर जाते हैं।

किस्मत बदली 'फ्लॉप' फिल्म ने

आज कियारा आडवाणी बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं लेकिन उसे यह सफलता रातों-रात नहीं मिली।

हाल ही में एक पॉडकास्ट में कियारा ने अपने करियर के उन शुरुआती दिनों के बारे में खुलकर बात की, जब उसकी पहली फिल्म 'फगली' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। कियारा ने बताया कि कैसे एक फ्लॉप फिल्म के बाद फिल्म इंडस्ट्री में टिके रहना और काम पाना उसके लिए काफी मुश्किल था। अक्सर लोग समझते हैं कि 'कबीर सिंह' या 'एम. एस. धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' उसकी पहली फिल्में थीं, लेकिन हकीकत यह है कि इन बड़ी हिट्स से पहले कियारा ने सालों तक रिजैक्शन सहा और इंतजार किया। हालांकि, कियारा ने हमेशा अपनी असफलताओं को एक पॉजिटिव नजरिए से देखा है। उसने कहा कि हर ठोकर ने उसे कुछ नया सिखाया है।

कियारा कहती है, “मेरे करियर का वह बुरा दौर ही मेरा सबसे बड़ा गुरु रहा है। आज भी लोग 'एम.एस.धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' या 'कबीर सिंह' को ही मेरी पहली फिल्म मानते हैं क्योंकि वे सुपरहिट थीं, लेकिन मेरा असली सफर 'फगली' से शुरू हुआ था जिसे बहुत कम लोगों ने देखा।

कियारा ने उस दौर के सन्नाटे को याद करते हुए बताया कि 'फगली' के फ्लॉप होने के बाद उसके पास काम के ऑफर आने बंद हो गए थे। हालांकि, समीक्षकों ने उसके अभिनय को सराहा था, लेकिन बॉलीवुड के

करियर में असली उछाल साल 2019 में फिल्म 'कबीर सिंह' के बाद आया। कियारा ने कहा, फिल्म 'एम.एस.धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' और 'कबीर सिंह' के बीच के वे 5 साल बहुत भारी थे। मैंने कई ऑडिशन दिए, रिजैक्शन झेले और बस इस उम्मीद में काम करती रही कि काम से ही काम मिलेगा। फ्लॉप फिल्म ने किया कमाल

कियारा ने फिल्म 'मशीन' का जिक्र करते हुए एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। भले ही यह फिल्म सोशल मीडिया पर बहुत ट्रोल हुई थी, लेकिन इसी फिल्म के गाने 'तू चीज बड़ी है मस्त मस्त' ने उसकी किस्मत बदल दी। मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने उस गाने में कियारा को देखा और उसने ही करण जौहर से कियारा के बारे में बात की और इसी तरह उसे 'लस्ट स्टोरीज' मिली, जो उसके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई।

उसके हालिया फिल्मी करियर की बात करें तो, कियारा हाल ही में अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद काम पर वापस लौटी हैं। वह जल्द साऊथ के स्टार यश के साथ पै न

गई और उसने उसे इतना परेशान कर दिया था कि उसे खुद ही लगने लगा था कि शायद उसने सच में कुछ करवाया है। कियारा ने बताया कि एक बार वह किसी इवेंट में गईं और वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद लोगों ने कमेंट्स कर ना शुरू कर दिया कि उसने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। उसने कहा, “इतने सारे कमेंट्स आ रहे थे कि मुझे खुद लगने लगा था कि शायद मैंने अपने चेहरे के साथ कुछ कराया है।” लोगों को समझना चाहिए हालांकि, कियारा ने यह भी कहा कि वह ज्यादातर ट्रोल्स को नजरअंदाज करने की कोशिश करती है लेकिन कई बार ऐसी बातें दिल पर असर जरूर डालती हैं। उसने कहा, “मैं

मेकर्स से इसे ट्रिम करने की रिक्वेस्ट की। अब कियारा ने सोशल मीडिया पर इसी तरह की पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, “बिल्कुल बकवास है। इसके साथ उसने इस तरह की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है।

ट्रोल्स की बातों पर करने लगी थी यकीन; बताया चौकाने वाला किस्सा

कियारा सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोलिंग और अफवाहों का सामना करती रही है। एक बार उसने खुलकर बताया था कि कैसे प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों ने

कहती हूं कि मैं इग्नोर करती हूं, लेकिन यह खुद को बचाने का तरीका होता है। लोगों को समझना चाहिए कि हम भी इंसान हैं और हमारी भी भावनाएं होती हैं।” प्रमुख फिल्में

साल 2014 में फिल्म 'फगली' से डेब्यू करने वाली कियारा ने अब तक के करियर में 'कबीर सिंह', 'गुड न्यूज', 'शेरशाह', 'इंदु की जवानी', 'भूल भुलैया 22', 'जुग जुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' (तेलुगु), 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत चुकी है।

कैसे बढ़ी उफ़ीं जावेद की कमाई? 40 हजार से बढ़कर हुई दो लाख, कहा- टीवी में नहीं होता अच्छा बर्ताव



टीवी एक्ट्रेस और इंटरनेट पर्सनैलिटी उफ़ीं जावेद अक्सर अजीब-इस पहनने को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने मुश्किल सफर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया से उनकी जिंदगी बदलने से पहले, उनके टेलीविजन के दिन कितने मुश्किल थे।

उफ़ीं ने छोड़ा घर

सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उफ़ीं ने बताया मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने हमेशा एक स्टार बनने और मुंबई में एक आरामदायक जिंदगी जीने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि वह अपने जालिम पिता से बचने के लिए घर से भाग गई थीं।

काम मिलना नहीं था आसान

उफ़ीं ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन देने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि इंडस्ट्री में बिना किसी जान-पहचान के मौके मिलना बहुत मुश्किल है। इसके बाद उन्होंने यह सोचकर टेलीविजन का रुख किया, कि वहां काम मिलना शायद आसान होगा। हालांकि ऐसा नहीं था। टीवी में उन्हें अक्सर साइड रोल ही मिले।

टीवी पर क्या बोलीं उफ़ीं?

टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उफ़ीं ने कहा, 'अगर आप कोई स्टार नहीं हैं या लीड रोल में नहीं हैं, तो कोई भी आपको कुछ नहीं समझता। अगर आप कोई साइड कैरेक्टर हैं, तो आपके साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया जाता।'

40 हजार रुपए थी कमाई

टेलीविजन से होने वाली कमाई पर गुजारा करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, 'मैं हमेशा से ही लाइमलाइट में रहना चाहती थी। लेकिन मुझे लगता था कि घर भी तो चलाना है, इसलिए महीने के जो 40,000 रुपये मिल रहे हैं, वही बहुत है।' मगर मैं इससे संतुष्ट नहीं थी।'

उफ़ीं की ड्रेस वायरल हुई

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के साथ नए प्रयोग किए। 'बिग बॉस OTT' में उनकी एंट्री उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई। कूड़े-कचरे से बनी उनकी एक ड्रेस ने ऑनलाइन सबका ध्यान खींचा और उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया।

पॉपुलर होने के बाद बढ़ी कमाई

उफ़ीं ने माना कि उन्होंने कभी भी अपनी सोशल मीडिया इमेज या वायरल होने की शोहरत के

लिए कोई खास प्लानिंग नहीं की थी। उनके मुताबिक, सब कुछ अपने आप होता गया। उन्होंने यह भी बताया कि जब वह टीवी इंडस्ट्री में थीं, तब वह महीने के करीब 40,000 रुपये कमाती थीं, लेकिन सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने के बाद ब्रांड कोलैबोरेशन के जरिए उनकी इनकम बढ़कर करीब 2 लाख रुपये प्रति महीना हो गई।

उफ़ीं जावेद का वर्कफ्रंट

उफ़ीं ने 2016 में 'बड़े भैया की दुल्हनिया' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। बाद में वह 'चंद्र नंदिनी', 'मेरी दुर्गा', 'बेपनाह', 'जीजी मां' और 'डायन' जैसे शोज में नजर आईं। हाल ही में, उफ़ीं को निया शर्मा, करण कुंद्रा और सनी लियोनी के साथ 'सप्लिड्सविला X6' होस्ट करते हुए देखा गया था।

हर गीत नए रंगों से भरना पड़ता है: श्रेया



श्रेया संगीत रचना की दुनिया में कदम रखना चाहती है, लेकिन समय की कमी के कारण ऐसा नहीं कर पा रही है। उसने बताया, अगर आप स्वतंत्र रूप से संगीत बना रहे हैं, तो आपको इसमें काफी स्वतंत्रता मिलती है। फिल्मों के लिए, कभी-कभी यह बहुत ही मुश्किल होता है, लेकिन समय की कमी के कारण मैं 'खुद को इस प्रलोभन से बचाती हूं। मैं यह करना चाहती हूं, लेकिन मुझे फिर किसी एक को चुनना होगा, और मुझे लगता है कि मैं शायद एक संगीतकार के रूप में उतनी अच्छी नहीं हूं।

लता मंगेशकर और आशा भोंसले को अपना आदर्श मानने वाली श्रेया उन्हीं की तरह गायन में निपुण होने के सफर को ही पूरा करना चाहती हैं लेकिन अगर समय मिला तो वह संगीत रचना की कला में भी आगे जाकर जरूर हाथ आजमाएंगी।

दोस्तों में बहस तो आम बात है : महवशा

सोशल मीडिया पर इन दिनों आर. जे. महवशा और युजवेंद्र चहल की दोस्ती फिर चर्चा में है। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिसके बाद उनके रिश्ते में अनबन की खबरें सामने आने लगीं। अब इस पूरे मामले पर महवशा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। महवशा ने कहा कि लोग छोटी-छोटी तो बहुत बड़ा बना देते हैं। उसने कहा, दोस्तों के बीच बहस होना, एक-दूसरे को अनफॉलो करना कोई बड़ी बात नहीं है। जिन दोस्तों के साथ आपने हंसी-मजाक के पल बिताए हों, उनके लिए दिल में कड़वाहट नहीं रखनी है चाहिए। मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगी। जिंदगी बहुत छोटी है। लोगों को माफ करके आगे बढ़ जाना चाहिए। दोस्तों के बीच फॉलो-अनफॉलो का ड्रामा चलता रहता है, इसमें इतना बड़ा मुद्दा बनाने जैसी कोई बात नहीं है।

जब पूछा गया कि क्या कभी उनका रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ा था, तो महवशा ने साफ इनकार करते हुए कहा, 'ऐसा कुछ भी नहीं था। मैं दोस्ती को बहुत अहमियत देती हूं। उस समय वह अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और हमने सिर्फ एक अच्छे दोस्त की तरह उनका साथ दिया।

दरअसल, युजवेंद्र और महवशा को कई बार साथ देखा गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरें



तेज हो गई थीं। खासकर धनश्री वर्मा से चहल के तलाक के बाद ये चर्चाएं और बढ़ गईं। हालांकि दोनों हमेशा यही कहते आए हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

इससे पहले चहल ने भी एक पॉडकास्ट में इन अफवाहों पर रिएक्शन देते हुए कहा था, लोग

जो सोचना चाहते हैं सोच सकते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।

अपनी लाइफ पर भी किया खुलासा कहा, महवशा ने 19 साल की उम्र में टूटी सगाई के दर्दनाक अनुभव के बारे में बात करते हुए मैं 19 साल की थी और एक लड़के से बेहद प्यार करती थी।

मुझे लगता था कि उससे बेहतर कोई हो ही नहीं सकता। मैं

परिवार से भी कहती थी कि अगर उससे शादी नहीं हुई तो घर से भाग जाऊंगी। उस ईंसान मुझे दो नहीं, बल्कि 3 बार धोखा दिया। और हर बार मैं उसे माफ करती रही।

सबसे अमीर एमएलए हैं डीके शिवकुमार ?

बेंगलुरु, 30 मई (एजेंसियां)। साल था 2023 और तारीख 10 मई की। कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा को हराकर सत्ता पर कब्जा जमाया। कांग्रेस की इस जीत का सेहरा बंध रहा था कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के सिर पर, जिन्होंने लगातार भाजपा सरकार को न सिर्फ घेरा, बल्कि राज्य में अलग-अलग धड़ों में बंट चुकी कांग्रेस को भी चुनाव के लिए एकजुट कर के शक्ति प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं शिवकुमार खुद भी आठवीं बार कनकपुरा विधानसभा सीट से चुनाव जीते। इसके बावजूद जब 17 मई को मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान हुआ तो डीके शिवकुमार, जिन्हें राजनीतिक गलियारों में डीकेएस भी कहा जाता है, को निराशा हाथ लगी। तमाम मेहनत के बावजूद कांग्रेस आलाकमान ने उनकी मेहनत के ऊपर सरकार चलाने के अनुभव वाले सिद्धारमैया को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया। भले ही डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम का पद सौंप दिया गया, लेकिन सीएम पद न मिलना उनके साथ उनके समर्थकों को भी लगातार परेशान करता रहा। हालांकि, अब तीन साल बाद डीके शिवकुमार को वही पद मिलने जा रहा है, जिसके लिए लगातार तीन साल तक गुप्त समझौते से लेकर 'हक' तक की बात उठती रही।

कैसा रहा है डीके शिवकुमार का शुरुआती जीवन?		
जन्म	शिक्षा	
15 मई 1962, कनकपुरा, कर्नाटक	राजनीति विज्ञान में एमए; कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, मैसूर	
परिवार		
पिता का नाम केम्पेगौड़ा	उनका परिवार वोक्कालिगा	उनके एक छोटे भाई डीके सुरेश हैं, जो राजनीति में सक्रिय हैं।
माँ का नाम गौरम्या हैं।	समुदाय से संबंध रखता है।	

पहला चुनाव और हार: उन्होंने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1985 में साठनूर सीट से दिगंज नेता एचडी देवेगौड़ा के खिलाफ लड़ा था, लेकिन इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पहली बड़ी जीत: इसके बाद, 1989 में महज 27 वर्ष की आयु में उन्होंने मैसूर जिले के साठनूर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी पहली चुनावी जीत हासिल की और विधायक चुने गए।

लगातार जीत का सिलसिला: पहली जीत के बाद उन्होंने इसी निर्वाचन क्षेत्र से 1994, 1999 और 2004 के विधानसभा चुनावों में भी लगातार जीत दर्ज की। 1999 में उन्होंने एचडी देवेगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी को इस सीट से हराया था।

सीट बदली, पर जीत जारी रही: डीके शिवकुमार की मौजूदा विधानसभा सीट कनकपुरा (रामनगर जिला) है। वे

खरकई नदी से डूबा किशोर

जमशेदपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित खरकई नदी से शनिवार सुबह एक अज्ञात किशोर का शव बरामद हुआ। बड़ौदा घाट के पास मिले इस शव से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और उसकी पहचान करने में जुटी है। मृतक की उम्र लगभग 16 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुबह कुछ स्थानीय लोग खरकई नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में छटपटाते किशोर पर पड़ी। लोगों ने उसे तत्काल नदी से बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाहर

देशमुख को अपने विधायकों के टूटने का डर था, तब शिवकुमार ने उन्हें बिदाड़ी के एक रिसॉर्ट में सुरक्षित रखा था।

2017 में उन्होंने गुजरात कांग्रेस के 44 विधायकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली।

2018 के विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार बनाने और विधायकों को टूटने से बचाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

कांग्रेस के प्रति अपने लगातार समर्पण की वजह से वे गांधी परिवार के बेहद करीबी और भरोसेमंद रणनीतिकार बन गए। यही वजह थी कि जब 2019 में शिवकुमार मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 50 दिनों तक तिहाड़ जेल में बंद थे, तब सोनिया गांधी खुद उनसे मिलने जेल पहुंची थीं। इस वाक्ये ने उनके और शीर्ष नेतृत्व के रिश्ते की और भी मजबूत कर दिया।

उनके इसी समर्पण और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए मार्च 2020 में कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें कर्नाटक कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। मई 2023 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने खुद को एक लोन बुल्फ (अकेले दम पर लड़ने वाले योद्धा) की तरह पेश किया और कांग्रेस को भारी बहुमत से जीत दिलाकर सोनिया गांधी से किया अपना वादा पूरा किया। 2023 के डीकेएस चुनावी

हलफनामे के मुताबिक, डीके शिवकुमार की कुल संपत्ति 1413 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वे कर्नाटक के सबसे अमीर विधायक हैं।

चल संपत्ति में क्या-क्या शामिल है ?

उनके और उनके परिवार के पास कुल मिलाकर लगभग 273 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। इसमें बैंक जमा, शेयर, जीवन बीमा, व्यक्तिगत ऋण, गाड़ियां और आभूषण शामिल हैं। इसमें अकेले शिवकुमार के पास 244.93 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि उनकी पत्नी के पास 20.30 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है।

नकदी और बैंक जमा: उनके और उनके परिवार के पास करीब 16.43 लाख रुपये नकद थे। इसके अलावा उनके बैंक खातों में लगभग 16.70 करोड़ रुपये जमा हैं।

शेयर और बॉन्ड: बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, कोस्तुभ प्रोजेक्ट्स, वीक्रॉस डेवलपर्स और आदर्श इन जैसी कंपनियों में लगभग 4.20 करोड़ रुपये का निवेश है।

टिए गए कर्ज और एडवांस: चल संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा वह पैसा है जो उन्होंने दूसरों की (परिवार के सदस्यों, कंपनियों और ट्रस्ट की) एडवांस या लोन के रूप में दिया है।

6 लाख रुपए की अफीम जब््त

इस पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को शाम के वक्त एक पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

सूचना में बताया गया था कि बगरा-लावालौंग रोड के किनारे स्थित गोठाई गांव के पास जंगल में कुछ तस्कर अवैध रूप से अफीम की खरीद-बिक्री के लिए जुटे हुए हैं और किसी बड़ी खेप की डील होने वाली है।

सूचना का सत्यापन और त्वरित कार्रवाई इसके के लिए सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का

गठन किया गया। विशेष टीम जैसे ही पूरी सतर्कता के साथ गोठाई के पास बगरा-लावालौंग रोड के किनारे जंगल में पहुंची, वैसे ही वहां खड़े तस्कर पुलिस के वाहन को देखकर बदहवास होकर भागने लगे।

हालांकि, पहले से मुस्तैद सस्त्र बल के जवानों ने तत्परा दिखाते हुए घेराबंदी की और पीछा करके दो आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। हालांकि, एक आरोपी जंगल और झाड़ियों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा, जिसकी पहचान सरफराज खान के रूप में की गई है।

अवैध संबंध और साथ रहने की जिद को लेकर की थी मां–बेटे की हत्या

हत्यारे रईस को फांसी की सजा



सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट–3 रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मां-बेटे की हत्या के दोषी प्रेमी रईस उर्फ रहीस को फांसी की सजा सुनाई। जहूर हसन ने 7 नवंबर 2011 को घटना को अंजाम दिया था। 15 साल बाद बकरीद के ठीक बाद आरोपी के खिलाफ सजा आई है। जहूर हसन ने वर्ष 2011 के बकरीद के दिन राजेश देवी और उसके छह वर्षीय बेटे को सलेमपुर से टेंपो में सवार किया। वहां से

आरोपित चरथावल के अलावलपुर के मोड़ के पास मां-बेटे को ईश्र में ले गया। वहां उसने राजेश को धमकाया। इसके बाद वह जाने लगा तो राजेश देवी भी साथ चलने की जिद करने लगी। राजेश ने जहूर का गला पकड़ लिया। इसके बाद जहूर ने महिला और बच्चे के साथ मारपीट शुरू कर दी। दोनों के अचेत होने के बाद उसने ईंट से कुचलकर दोनों को मार डाला।

जहूर हसन ने दोनों की लाश को झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद वहां से फरार हो गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि महिला के साथ प्रेम संबंध था। महिला उसके साथ रहने का दबाव बना रही थी। वहीं, जहूर उससे पीछा छुड़ाना चाहता था।

तीन पहाड़ मुख्य सड़क पर भीषण हादसा

पुलिस जवान समेत 3 युवकों की मौत, एक घायल, दो बाइक की टक्कर से हुआ हादसा

हदय कुमार सरकार अपनी बाइक पर अकेले थे और गोड्डा पुलिस लाइन में पदस्थापित थे। जबकि दूसरी बाइक पर मिराज अंसारी, साहिल अंसारी और सनाउल अंसारी सवार थे।

दरअसल, झारखंड पुलिस जवान हदय कुमार सरकार अपनी बुलेट बाइक से ड्यूटी कर गोड्डा से अपने घर लौट रहे थे।

इसी दौरान धोड़ा स्थित केशर प्लांट के पास सड़क पर खड़े एक बड़े ट्रक को पास करने के दौरान सामने से आ रहे बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।

इस हादसे में पुलिस जवान हदय कुमार सरकार और मिराज अंसारी की मौके पर मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल

साहिल अंसारी और सनाउल अंसारी को आनन-फानन में सदर अस्पताल में पदस्थापित किया गया। जहां इलाज के दौरान साहिल अंसारी ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, सनाउल अंसारी का इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार, मिराज अंसारी अपने मामा के घर दनवार घूमने जा रहा था।

वहीं, हदय कुमार सरकार अपने पीछे पत्नी संगीता देवी और एक पुत्र व एक पुत्री को छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।

फिलहाल, पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।



बिलासपुर, 30 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में शहर और ग्रामीण यु्थ कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस चुनाव में कुल 36 उम्मीदवारों ने दावेदारी की है। इनमें शहर अध्यक्ष पद के लिए 23 और ग्रामीण अध्यक्ष पद के

लिए 13 उम्मीदवार शामिल हैं। इन दावेदारों में वर्तमान युवा कांग्रेस अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, एनएसयूआई के जिला और प्रदेश पदाधिकारी के साथ पूर्व अध्यक्षों के नाम भी शामिल हैं। इनके अलावा मारपीट, गैंगवार जैसी वारदात में शामिल आरोपी भी दावेदारी कर रहे हैं।

बच्चों के गले से लॉकेट चुराने वाले तीन गिरफ्तार

पलामू, 30 मई (एजेंसियां)। मेदिनीनगर शहर थाना पुलिस ने बच्चों के गले से सोने का लॉकेट काटकर चोरी करने वाले तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सानु आलम, समीर आलम और सूर्यप्रताप कुमार उर्फ अमन कुमार को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों में सानु आलम और समीर आलम सगे भाई हैं।

पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए दो सोने के लॉकेट भी बरामद किए हैं। सानु आलम पिछले वर्ष सितंबर महीने में भी इसी तरह की घटना में जेल जा चुका है।

सानु और समीर हरिहरगंज के अररूआ गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में मेदिनीनगर के

पहाड़ी मोहल्ला में किराए पर अपने पिता के साथ रहते हैं। उनके पिता सच्ची कारोबारी हैं। सूर्यप्रताप साहित्य समाज चौक, बड़ा तालाब के पास रहता है। एसडीपीओ राजेश यादव ने बताया कि 26 मई को एक बच्ची मोटरसाइकिल से जा रही थी, तभी उसके गले से सोने का लॉकेट चाल लिया गया था। इस दौरान क्लेड लगने से बच्ची जखमी हो गई थी और उसे कई टांके लगाने पड़े थे।

बच्ची के मामा, चैनपुर के पूर्वडीहा निवासी श्रेयांश कुमार दुबे के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने अनुसंधान के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई टीम में शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार दलबल के साथ शामिल थे।

गोमांस तस्करी के मामले में जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

जालौन, 30 मई (एजेंसियां)। जालौन में गोमांस तस्करी एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एक गिरोह के विरुद्ध जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत लगभग 168 करोड़ 1332600 रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा की गई।

जानकारी के मुताबिक, यह आदेश जिला मजिस्ट्रेट जालौन और पुलिस अधीक्षक जालौन की आख्खा एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जारी किए गए हैं। मामले के अनुसार, आरोपी अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद आमर एवं उसके गिरोह के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पहले ही पंजीकृत है। जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत

कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि जांच के दौरान यह पाया गया कि यह गिरोह योजनाबद्ध तरीके से गोमांस तस्करी, फर्जी दस्तावेजों एवं अन्य अवैध गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक लाभ अर्जित करता था। इसी अवैध धन से विभिन्न संपत्तियां खरीदी गईं। उन्होंने बताया कि आरोपी द्वारा जनपद बिजनौर स्थित ग्राम याकूबपुर क्षेत्र में खरीदी गई भूमि तथा निर्मित 'ओमर इंटरनेशनल स्टॉर हाउस' का मूल्यांकन कराया गया। मूल्यांकन में इस जमीन एवं भवन का कुल मूल्य लगभग 168.13 करोड़ रुपये आंका गया।

जांच में यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि यह संपत्ति अपराध से अर्जित धनराशि से ही निर्मित की गई थी। इसके आधार पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत

यह कुर्की की कार्रवाई की गई है। कुर्क किए गए संपत्ति में यह स्टॉर हाउस, आसपास की भूमि और अन्य भवन शामिल हैं।

प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत संगठित अपराध, गो-तस्करी, अवैध कारोबार तथा अपराध से अर्जित संपत्तियों के विरुद्ध यह कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों का आर्थिक कम्प टोड़ने के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी और तेज की जाएगी।

जिला प्रशासन का कहना है कि इससे जनपद में कानून का राज स्थापित होगा। यह कार्रवाई संगठित अपराधियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों को किसी भी स्थिति में संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

रामगढ़ पुलिस ने साइबर अपराधी को पकड़ा

रामगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने एक और साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 29 मई को सूर्या नगर, रोड नंबर-04, रामगढ़ निवासी निखिल कुमार (27) को उसके घर से पकड़ा। उस पर फर्जी सिम का उपयोग कर ऑनलाइन धोखाधड़ी करने का आरोप है।

यह गिरफ्तारी साइबर अपराध थाना में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान हुई। इससे पहले, पुलिस ने विकास कुमार उर्फ विकास यादव (27) को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। विकास के बयान में निखिल कुमार की संलिप्तता सामने आई थी।

रामगढ़ एसपी को मिली सूचना के आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय)–सह-थाना प्रभारी, साइबर अपराध थाना, रामगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इसी

मुठभेड़ में एक लुटेरा गिरफ्तार कुशीनगर से चार पकड़े गए



एसपी ने एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित की थी।

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 3 बजे मुखावर से सूचना मिली कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सामने गुरुद्वारा रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने की कोशिश की। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर

दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। मौके से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। घायल बरमाडको सीएचसी में भर्ती कर इलाज कराया गया।

हसनगंज सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि कंटेनर को कुशीनगर जिले से चार बदमाशों के साथ बरामद कर लिया गया है। पकड़े गए बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना बिहार के मोतिहारी जिले के पीपरा कोठी थाना क्षेत्र स्थित हथियान गांव का रहने वाला छोड़न चौधरी पुत्र सुरेश चौधरी है। वह दूसरी वारदात को अंजाम देने के लिए उसी जगह पर घात लगाए बैठा था, जहां से पहले कंटेनर लूटा गया था।



यूपीआई, एटीएम, आधार पीएफ, एलपीजी ... 1 जून से हो रहे कई बदलाव

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। जून का महीना अपना साथ कई नए बदलाव लेकर आ रहा है। पिछले कुछ महीनों से कर्माशियल सिलेंडर की कीमत में काफी तेजी आई है जबकि घरों में यूज होने वाले सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार का कहना है कि तेल कंपनियों को हर सिलेंडर पर 700 रुपये का नुकसान हो रहा है। क्या इस बार होगा बदलाव।

यूपीआई पेमेंट का नियम

1 जून से यूपीआई ट्रांजेक्शन से जुड़े नियम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अगर आप जिस किसी को भी पैसे यूपीआई से ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। माना जा रहा है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई से होने वाले फ्रांड को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है। इसमें क्यूआर कोड स्कैन करते ही या मोबाइल नंबर डालते ही आपको सही व्यक्ति के बारे में पता चल जाएगा।

एटीएम से कैश विडॉल का नियम

पहली जून से कई बैंक अपने एटीएम ट्रांजेक्शन में बदलाव कर सकते हैं। दूसरे बैंक के एटीएम से मुफ्त लेन-देन की सीमा कम हो सकती है। इससे एटीएम से कैश निकालने से लेकर, खाते का बैलेंस चेक करना और मिनी स्टेटमेंट निकालना महंगा हो सकता है। इसका उन लोगों पर ज्यादा असर हो सकता है जो बार-बार नकदी निकालते हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

इरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इस कारण ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को काफी घाटा हो रहा है। हाल में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कई बार इजाफा किया गया है। ये कंपनियां हर मिनीमीन की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतों की समीक्षा करती हैं। 19 किलो वाले कर्माशियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में हाल के महीनों में काफी बढ़ोतरी की गई है। हालांकि घरेलू सिलेंडर को अब तक इससे मुक्त रखा गया है।

पीएफ का नया नियम

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए गुड न्यूज है। माना जा रहा है कि इस महीने में पीएफ के पैसे यूपीआई के जरिए निकलने की सुविधा शुरू हो सकती है। इसे लेकर ईपीएफओ की तरफ से तैयारियां लगभग

चांदी 5,000 रुपये उछली, सोना भी चमका

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। यह तेजी, मजबूत ग्लोबल ट्रेंड, अमेरिका-इरान के बीच शुरुआती समझौते की संभावना और घरेलू बाजार में शादी-व्याह की मांग की उम्मीदों के कारण आई। शुक्रवार को सर्राफा बाजार बंद होने तक सोना चमककर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, चांदी चढ़कर 2,74,700 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।

सर्राफा बाजार में आज शनिवार को सोने और चांदी की कीमत में मामूली तेजी दिख रही है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की तेजी के साथ 1,57,650 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 22 कैरेट वाला सोना भी 10 रुपये की तेजी के साथ 1,44,510 रुपये पर ट्रेड कर रहा



है जबकि 18 कैरेट वाला गोल्ड भी 10 रुपये ऊपर 1,18,240 रुपये पर पहुंच गया। चांदी भी 100 रुपये की तेजी के साथ 2,80,100 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।

एमसीएक्स पर भाव

पिछले सत्र में एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना 146 रुपये की तेजी के साथ

1,61,059 रुपये पर बंद हुआ। 5 जून की डिलीवरी वाला सोना 925 रुपये गिरकर 1,56,000 रुपये रह गया जबकि 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना 624 रुपये ऊपर 1,64,732 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह 3 जुलाई वाली चांदी 2,537 रुपये की गिरावट के साथ 2,67,000 रुपये पर बंद हुई।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. में जिंस शोध प्रमुख हरीश वी ने कहा, 'सोने और चांदी की कीमतें थोड़ी बढ़ी है। इसका कारण अमेरिका-इरान के बीच संघर्ष विराम से जुड़े घटनाक्रम और हाल में महंगाई के आंकड़ों के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व की व्याज दर संबंधी परिदृश्य है।' उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में अमरीकन डॉलर की उम्मीदों के चलते इन कीमती धातुओं की कीमतें मजबूत बनी रहें।

बढ़ाकर 75,000 रुपये किया गया था, जिससे कर्मचारियों की बचत बढ़ सके. नई टैक्स व्यवस्था में नेशनल पेंशन सिस्टम के टियर-1 खाते में नियोक्ता द्वारा किए गए योगदान पर भी टैक्स छूट मिलती है.

कर्मचारियों और पेंशनर्स को 75,000 रुपये तक का स्टैडर्ड डिडक्शन मिलता है. इस छूट के लिए किसी तरह के निवेश, बिल या दस्तावेज की जरूरत नहीं होती. यह कटौती सीधे सैलरी इनकम से घटा दी जाती है. उदाहरण के तौर पर यदि किसी कर्मचारी की सालाना सैलरी 15 लाख रुपये है, तो 75,000 रुपये का स्टैडर्ड डिडक्शन मिलने के बाद उसकी टैक्सबल आय 14.25 लाख रुपये रह जाएगी. बजट 2024 में इस डिडक्शन को 50,000 रुपये से

वित्त-वाणिज्य

'इंडिया-यूएस ट्रेड डील 99% पूरी, जल्द होगी साइन' अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने आईआईटी दिल्ली से दिया बड़ा अपडेट



नई दिल्ली,30 मई (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिया और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं।

दोनों देश के बीच होने वाली इस ट्रेड डील का बस एक प्रतिशत हिस्सा बातचीत के लिए बाकी है। उन्होंने यह बात आईआईटी दिल्ली में आयोजित यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव पर एक कार्यक्रम के दौरान कही। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार डील 99 फीसदी तक पूरी हो चुकी है। जल्द ही दोनों देश साइन करेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि यह समझौता आने वाले हफ्तों में साइन हो सकता है, क्योंकि दोनों पक्ष बातचीत को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

आईआईटी दिल्ली में हुए कार्यक्रम में बोले सर्जियो गोर

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली

कच्चे तेल की कीमत में 7 हफ्ते में सबसे बड़ी गिरावट, कहां तक गिरेगा काला सोना?

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में इस हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में भारी गिरावट आई। तीन महीने से चली आ रही इस लड़ाई के कारण कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई थी। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ी है और कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह हिल गई है। लेकिन अब होर्मुज की खाड़ी खुलने की उम्मीद में कच्चा तेल नीचे आया है। दुनिया का करीब 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है। यही वजह है कि इसे दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है।

इस हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई जो सात हफ्ते में सबसे अधिक है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 9 फीसदी से अधिक गिर गया। यह इसकी छह हफ्ते में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। शुक्रवार को जुलाई डिलीवरी का ब्रेंट क्रूड प्यूचर 1.66 डॉलर यानी 1.8 फीसदी गिरावट के साथ 92.05 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। डब्ल्यूटीआई भी 1.7 फीसदी गिरावट के साथ \$87.36 प्रति बैरल रह गया। जानकारों का कहना है कि अगर अमेरिका और इरान के बीच सीजफायर पर

एक करोड़ लोगों को बड़ा गिफ्ट देने की तैयारी में सरकार, 22 जून की डेट है काफी अहम



नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सरकार नए लेबर कोड के तहत गिग और प्लैटफॉर्म वर्कर्स को सोशल सिक्योरिटी मुहैया कराने पर काम कर रही है। इसके लिए फंड मैनेजर्स की सलाह से स्कीम तैयार की जा रही है। साथ ही, सभी ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स से सरकार ने कहा है कि वे 22 जून तक अपने यहां काम करने वाले सभी गिग वर्कर्स को ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर करा दें। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में संयुक्त सचिव आशुतोष ए टी पेडनेकर ने एफआईसीसी-

में यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव पर एक कार्यक्रम में भाषण दिया। उन्होंने इस दौरान कहा कि अमेरिका के मुख्य व्यापार वार्ताकार के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल 1 से 4 जून तक बातचीत जारी रखने के लिए भारत आने वाला है। सर्जियो गोर ने कहा- राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को इस तरह से आसान बनाना है जिससे अमेरिकी व्यवसायों और कामगारों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हों। अभी पिछले सप्ताह ही, भारत ने उस व्यापार समझौते के अंतिम एक प्रतिशत हिस्से को अंतिम रूप देने के लिए वॉशिंगटन, डीसी में एक टीम भेजी थी। अगले हफ्ते, हम उन बातचीत को जारी रखने के लिए यहां एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेंगे। हमें पूरी उम्मीद है कि नया व्यापार समझौता अगले कुछ हप्तों और महीनों के भीतर साइन हो जाएगा।

द्विपक्षीय व्यापार में बढ़ोतरी

आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए गोर ने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार, महज दो दशकों से कुछ ज्यादा समय में ही, लगभग 20 अरब डॉलर से बढ़कर 220 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो गया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ व्यापार की मात्रा की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे बीच गहरे जुड़ाव और मजबूत आर्थिक एकीकरण को भी दर्शाता है।



सहमति बनती है तब भी होर्मुज से जहाजों की आवाजाही सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। इसी तरह तेल प्रतिष्ठानों को भी पुरानी स्थिति में लौटने में ज्यादा लंबा समय लग सकता है। इसी महीने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको के सीईओ अमीन नासिर ने कहा था कि ग्लोबल ऑयल मार्केट के 2027 के अंत तक उथलपुथल रह सकती है। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से भारत को भी बड़ी राहत मिलेगी। भारत अपना 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। सरकारी तेल कंपनियों ने हाल में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कई बार बढ़ोतरी की है। हालांकि इस बढ़ोतरी के बावजूद इन कंपनियों को तेल और गैस पर रोजाना करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक हर सिलेंडर पर इन कंपनियों को 700 रुपये का नुकसान हो रहा है।

वेदांता की हिंदुस्तान जिंक ने रचा इतिहास

सरकारी खजाने में दिए 18846 करोड़; रामपुरा अगूचा बनी दुनिया की नंबर-1 जिंक खदान

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी '9वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट' जारी कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हुए सरकारी खजाने में कुल 18,846 करोड़ का योगदान दिया है। यह राशि कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 46% है।

5 साल में 91000 करोड़ से अधिक का योगदान

हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्वर के अनुसार, कंपनी पिछले पांच वर्षों में संचयी रूप से सरकारी खजाने में 91,572 करोड़ का योगदान दे चुकी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और सुशासन कंपनी के मूल मूल्य हैं और यह योगदान देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद करता है।

वित्तीय प्रदर्शन: राजस्व और मुनाफे में भारी वृद्धि

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 कंपनी के लिए वित्तीय रूप से बेहद सफल रहा है: **राजस्व** : 40,844 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20% अधिक है।

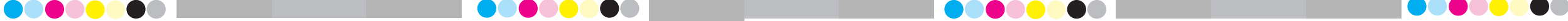
शुद्ध लाभ : कंपनी का मुनाफा 34% बढ़कर 13,832 करोड़ पर पहुंच गया।

ईवीआईटीडीए: इसमें 27% की सालाना वृद्धि



देखी गई, जो 22,162 करोड़ रही। टैक्स और रॉयल्टी का पूरा ब्यौरा (एफवाई 2025-26) कंपनी द्वारा सरकारी खजाने में दी गई 18,846 करोड़ की राशि को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया है: हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने बताया कि कंपनी की रामपुरा अगूचा खदान अब दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक खदान बन गई है। भारत के प्राथमिक जिंक उद्योग में कंपनी की 74% बाजार हिस्सेदारी है। इसके अलावा, कंपनी चांदी उत्पादन में भी दुनिया के शीर्ष 10 उत्पादकों में शामिल है।कंपनी को एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 में मेटल और माइनिंग सेक्टर में पहला स्थान मिला है। कंपनी ने 2050 तक 'नेट जीरो' उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और राजस्थान में 9,274 'नंद घर' के माध्यम से सामाजिक विकास में योगदान दे रही है।

दैनिक पंचांग	
गृह गोचर शुक्र ४, बुध ३, मंगल २, रविव १, शनि १२, गुरु ११, चंद्र ९ गृह स्थिति शुक्र ४, बुध ३, मंगल २, रविव १, शनि १२, गुरु ११, चंद्र ९ लunarमं समय शुक्र ४, बुध ३, मंगल २, रविव १, शनि १२, गुरु ११, चंद्र ९ दिवाभुल - पश्चिम - धान खाकर घर से निकले मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष रविवार 31 May 2026 तिथि - पूर्णिमा 14-15 तक उपरात्र प्रतिपदा नक्षत्र - अनुराधा 16-12 तक उप ज्येष्ठा योग - सिद्ध 06-19 तक रात्रि उप सिद्ध करण - बव 14-15 तक उप स्वात विशेष: पूर्णिमा पुण्य	श्री राई /श्री दुर्गी नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083 वक्र संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /चरित्र , ऋतु- ग्रीष्म महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, पत्नी भोम कलियुग अवधि - 432000 भौत्य कलि वर्ष - 426873 कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, कथाभू संवत् - 1972949127 सृष्टि ग्रहचरं संवत् - 1955885127 दिवाभुल - पश्चिम - धान खाकर घर से निकले मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष रविवार 31 May 2026 तिथि - पूर्णिमा 14-15 तक उपरात्र प्रतिपदा नक्षत्र - अनुराधा 16-12 तक उप ज्येष्ठा योग - सिद्ध 06-19 तक रात्रि उप सिद्ध करण - बव 14-15 तक उप स्वात विशेष: पूर्णिमा पुण्य
राहुकाल 17-08 से 18-46 तक	राहुकाल 17-08 से 18-46 तक
पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710	पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710
दिन का चौघडिया उत्पात05-45 - 07-20 अशुभ चंचल 07-20 - 08-58 शुभ लाभ 08-58 - 10-36 शुभ अमृत 10-36 - 12-14 शुभ काल 12-14 - 13-52 अशुभ शुभ 13-52 - 15-30 शुभ रोग 15-30 - 17-08 अशुभ उत्पात17-08 - 18-39 अशुभ	रात का चौघडिया शुभ। 18-39 - 20-08 शुभ अमृत 20-08 - 21-30 शुभ चंचल 21-30 - 22-52 शुभ रोग 22-52 - 00-14 अशुभ काल 00-14 - 01-36 अशुभ लाभ 01-36 - 02-58 शुभ उत्पात02-58 - 04-50 अशुभ शुभ 04-20 - 05-45- शुभ
आपका राशिफल	आपका राशिफल
मेघ चूचे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,	आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके सम्मधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा। आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदतियों के साथ पथगै जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे।
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	आपकी नीज तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपको यह योग्यता आप आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी। हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चले। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नहीं मिलेगा। बाद में आप अच्छा और आत्मविकास से भरा अनुभव करेंगे।
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,	पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंततः अब उससे बाहर आ पथेंगे। आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उकृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए एी कोशिश कर सकते हैं। आप यह भी सम्भव पथगै कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरुरी है।
कर्क ही, हू, हूं, हो, डा, डी, डू, डे, डो,	आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ सम्पूर्ण व्यवहार करेंगे। कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कड़ेव अनुभव भरे हुए हैं। लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें।
सिंह मा, मी, मू, में, मो, टा, टी,टू,टे,	आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है। आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी। आपने आपको थोड़ी हील का दिन है, लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी। साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे। अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है।
कन्या टो पा पी पुष ण ठ पे प्यो	आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें। आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है। बहुत उडा भोजन खाने से बचे। अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें। वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा।
तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,	आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा। कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी। आप गृही से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं। जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा।
वृश्चिक तो,ना,नी,ने,नू, नो, या, यी,यू,	आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं। सकारात्मक सोच आपको शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रेरणाहित करेगा। आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पथेंगे। नयी सोच से सम्पेड़ हलिसत होगी।
धनु वे, यो,भा, भी, भू था,फा, हा, धे	व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगी लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है। निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए। आप लम्बे समय से स्वस्थता की उपेक्षा कर रहे हैं, इस पर ध्यान दें।
कुंभ गु, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, दा,	आपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें। आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे, वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है। ऐसे लोगों से सावधान रहें। उन्हें अपने दिली-दिमाग में जाह ना दें। कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा। यह दोस्त आपका जीवनसाथी या मात-पिता भी हो सकते हैं।
मीन दी, दू,ध, झ, ज, दे, दो, चा,ची	कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है। अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें। आप फ़िलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आपास के सब लोगों पर पड़ेगा। इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा।
श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापूर	श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापूर





भ्रष्टाचार पर सीएम भजनलाल शर्मा का प्रहार

1 आईएस सहित 103 अफसर निलंबित, 6 बर्खास्त

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कड़े तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत ढाई साल में एक आईएस अधिकारी सहित 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं 6 अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा रिश्वत, पद के दुरुपयोग और आय से अधिक संपत्ति के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी गई है।

रिश्वत, आय से अधिक संपत्ति



और पद के दुरुपयोग के मामलों में स्पष्ट किया है कि आमजन को बाद अधिकारियों को तुरंत सेवा से बाहर किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट किया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनका कहना है कि जो अधिकारी

जनता के पैसे का दुरुपयोग करेगा, उसकी न नौकरी बचेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता रहेगा। सरकार ने 11 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोककर दंडित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंसा कसते हुए एक और बड़ी कार्रवाई की। पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती ने पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार की। मुख्यमंत्री ने ऐसे घोर लापरवाह अधिकारी को तत्काल सेवा से बाहर करने का निर्णय लिया। इसी तरह हरसिंह मीना (तत्कालीन एपीपी, एसीजेएम-4, कोटा) को एसीबी कोर्ट से सजा मिलने के बाद नौकरी से हटा दिया गया।

सचिवालय की महिला अधिकारी ने जीता ब्यूटी कॉन्टेस्ट का ताज

मिसेज राजस्थान कॉम्पिटिशन में रहीं उपविजेता

कहा- परिवार का साथ हो तो हर चुनौती पार

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जयपुर में सचिवालय में असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर पद पर सावी शर्मा ने मिसेज राजस्थान-2026 में क्राउन जीता। सिल्वर कैटेगरी में थर्ड रनर-अप रहीं सावी शर्मा ने कहा- अगर परिवार का साथ हो तो महिलाएं सपनों को पूरा करने के लिए हर चुनौती पार कर सकती हैं। सावी ने कहा- इस दौरान मेरा डेढ़ साल के बेटे को परिवार ने संभाला। पति, ससुराल पक्ष के सहयोग से मैं सब कुछ कर पाई।

मिसेज राजस्थान-2026 का कॉम्पिटिशन 24 मई को हुआ। इस प्रतियोगिता में 1700 विीमन से से चुनी गई गोल्ड (37 से 51 उम्र) और सिल्वर (20 से 36 उम्र) कैटेगरी की रनरअप प्रतिभागियों ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने संघर्ष, परिवार के सहयोग और सफलता के सफर को साझा किया।



इन टॉप मॉडल्स ने कहा- उम्र और वैवाहिक स्थिति को सफलता के बीच मत आने दें। मिसेज राजस्थान-2026 के मंच पर जीत हासिल करने के लिए प्रतिभागियों ने साबित किया कि सपनों की उम्र नहीं होती। वहीं वैवाहिक जीवन या पारिवारिक जिम्मेदारियां सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती।

गोल्ड कैटेगरी में सेकंड रनर-अप अदिति चौधरी ने कहा- मेरे लिए यह सफर हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा- मुझे हेल्थ

संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस ब्यूटी पेजेंट में मेरी दृढ़ता और कॉन्फिडेंस की यात्रा रही।

अदिति ने कहा- मैं महिलाओं के लिए उदाहरण बनना चाहती थी। मेरा मानना है कि अगर मैं अपनी हेल्थ से जुड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए यहां तक पहुंच सकती हूँ, तो बाकी महिलाएं भी जिम्मेदारियों और सामाजिक अपेक्षाओं के बीच अपने लिए कुछ कर सकती हैं। मैं सभी महिलाओं से कहना चाहूंगी कि अपनी उम्र और वैवाहिक स्थिति को कभी अपनी सफलता के बीच नहीं आने दें। आपकी पहचान मेहनत और सपनों से बनती है।

गोल्ड कैटेगरी में थर्ड रनरअप रहीं पारुल शर्मा ने बताया- मैरिड वुमन के पास कई तरह की बाध्यता होती है। परिवार और फैमिली पहली जिम्मेदारी होती है। वह अपने लिए वक्त नहीं निकाल पाती हैं।

विधायक का गनमैन निकला डोडा चूरा तस्कर

7 महीने से फरार, जिला पुलिस ने नौकरी से बर्खास्त किया

बारां, 30 मई (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क में संलिप्तता पाए जाने के बाद बारां जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस हैड कॉन्स्टेबल शंकरराम को तत्काल प्रभाव से राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया है। आरोपी पर पद का दुरुपयोग कर अंतरराज्यीय तस्करी के साथ मिलीभगत करने और 97 किलो से अधिक डोडा चूरा की तस्करी में मदद करने का आरोप है। आरोपी पिछले सात महीनों से फरार चल रहा है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने 29 अक्टूबर 2025 को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक कार से 97 किलो 110 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जन्त किया था। मामले की जांच के दौरान सामने आया कि हैड कॉन्स्टेबल शंकरराम कथित रूप से अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के संपर्क में था और अपने परिचितों के माध्यम से अवैध खेप को नागौर तक पहुंचाने में सहयोग कर रहा था। तस्करी प्रकरण में नाम सामने आने के बाद से ही शंकरराम ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहा था। विभाग की ओर से उसे कई बार नोटिस जारी कर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस टीमों ने उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर न्यायालय से पुलिस एक्ट की धारा 37 के तहत गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया गया। एस्पी ने बताया कि आरोपी ने कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले विभाग में रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया और पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाया। ऐसे कर्मचारी को सेवा में बनाए रखना विभागीय हित में नहीं होने के कारण उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

अजमेर पर दो दशक से आतंकवादी साया दूसरी बार सामने आया लोकल कनेक्शन

अजमेर, 30 मई (एजेंसियां)। लम्बाग दो दशकों से आतंकी संगठनों की नजर अजमेर पर है। पाकिस्तानी आतंकी संगठन आईएसआई और आईएसआईएस से जुड़े मॉड्यूल पहले ही रेकी कर चुके हैं। बीते तीन माह में दूसरी बार युवक की आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता सामने आई है। बीते मार्च में हरियाणा एटीएस ने लॉगिया मोहल्ला निवासी अली अकबर उर्फ बाबू को पकड़ा था। अब एनआइए ने परमेश मीणा को पकड़ा है। इससे खुफिया एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। पुलिस को अली अकबर और परमेश के अलावा भी अजमेर में पाक आतंकी शहजाद



भट्टी के किसी संगठन से जुड़ाव की आशंका है। एआइए ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की। इसमें परमेश के ऑनलाइन लूडो गेम खेलने की जानकारी मिली। कुछ लोगों ने रिकवरी के कामकाज की जानकारी भी दी। उसके अजमेर में कहीं कोचबार अथवा नौकरी करने की कोई सूचना नहीं मिली। बंद कमेरे

में पूछताछ के बाद टीम परमेश को लेकर दिल्ली रवाना हो गई। बीती 15 मार्च में अंबाला में हरियाणा एटीएस ने पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से संपर्क रखने के आरोप में दो साथियों को 2 किलो आरडीएक्स सहित पकड़ा था। इनमें दरगाह लॉगिया गली नम्बर-1 निवासी अंटो रिक्षा चालक अली अकबर उर्फ बाबू भी शामिल था। अली अकबर मूलतः अजमेर के पीसांगन थाना क्षेत्र के गोविन्दगढ़ का निवासी है। उसके पिता मोहम्मद रमजान रोडवेज से सेवानिवृत्त हैं। बड़ा भाई अली असगर गेस्ट हाउस में नौकरी करता है।

राजस्थान

अशोक गहलोत की कड़ी प्रतिक्रिया

फिर बढी माॅब लिंचिंग की घटनाएं, सचिन पायलट भी बोले

दौसा, 30 मई (एजेंसियां)। अशोक गहलोत ने प्रदेश सरकार और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया X पर लिखा कि बांदीकुई में बाइक चुराने के शक में युवक दिनेश कुमार मीणा की माॅब लिंचिंग होना तथा अजमेर में पेड़ से बांधकर बेरहमी से एक युवक की पिटाई करना प्रदेश में बढ़ती अराजकता एवं जंगलराज का गंभीर उदाहरण है। अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि लोग कानून अपने हाथ में लेकर किसी की जान ले लें, तो इसे कानून का राज नहीं कहा जा सकता। साफ है कि आज राजस्थान अराजकता का शिकार हो चुका है। उस मां पर क्या बीत रही होगी, जिसका बेटा इस तरह उसकी आंखों के सामने ही मार दिया गया? इस पूरी घटना के दौरान पुलिस कहाॅं थी, यह भी एक



बड़ा प्रश्न है।

अशोक गहलोत ने लिखा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की भांति अब पुनः प्रदेश में माॅब लिंचिंग की घटनाएं होने लगी हैं। यह गृह विभाग और पुलिस को असफलता को दिखाता है। यदि ऐसी घटनाएं होती रहीं, तो भाजपा का सत्ता में रहने का क्या नैतिक अधिकार रह जाएगा? इसी प्रकार सचिन पायलट



ने भी सोशल मीडिया पर घटना की निंदा करते हुए घटना को मानवता के लिए शर्मसार करने वाली बताया है। उन्होंने भी पुलिस की भूमिका की जांच एवं आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। गंगापु्र विधायक रामकेश मीणा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिख मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। बांदीकुई में धौली गुमटी से

पण्डितपुरा जाने वाले मार्ग पर बाइक चोरी के शक में युवक दिनेश मीना को पेड़ से बांधकर मारपीट करने से मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन और परिजनों के बीच मांगों पर सहमति बनने पर धरना समाप्त कर दिया गया। मामले के बाद परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी सहित अन्य मांगों को लेकर उपजिला अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए और शव लेने से इंकार कर दिया। इससे प्रशासन में हड़कंप मच गया और रातभर परिजन व ग्रामीण धरने पर डटे रहे। सुबह से भीड़ बढ़ती गई, जिस पर प्रशासन ने मौके पर कूलर और छाया की व्यवस्था की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तीन सदस्यीय मॉडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सुपुर्द किया। इसके

बाद परिजन शव लेकर रवाना हुए। धरने के दौरान मृतक की पत्नी के पीहर पक्ष ने भी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिनेश मीना पानी मांगता रहा, लेकिन उसे पानी नहीं दिया गया, इसलिए पुलिस की भूमिका की जांच होनी चाहिए। धरना खत्म खत्म होने पर मृतक की पत्नी को परिजनों ने गोद में उठाकर एम्बुलेंस में बैठाया।

प्रशासन एवं मृतक के परिजनों के बीच हुई वार्ता में एक परिजन को संविदा पर नौकरी, सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता, मानपुर पुलिस वृत्तधिकारी से मामले की जांच, साढ़े 8 लाख रुपए की आर्थिक मदद एवं हत्या के आरोपियों की निष्पक्ष जांच कर गिरफ्तारी करने पर सहमति बनी। वही पुलिस की भूमिका की भी जांच की मांग की गई।

एआई से लड़की के अश्लील फोटो-वीडियो बनाए और वायरल किए भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़ा गया शातिर

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। ऑर्टिकिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का दुरुपयोग करने वाले कुछ लोग यह सोचते हैं कि उनकी हरकत के बारे में किसी को पता नहीं चल सकेगा लेकिन ऐसा नहीं होता है। जब कोई एआई का दुरुपयोग करता है तो एआई ही उसे पकड़वाने में मदद करती है। गंगानगर निवासी एक शातिर युवक ने एआई का इस्तेमाल करते हुए एक लड़की को ब्लैकमेल करधनी थाने पहुंचाी थी। उसने रिपोर्ट देते हुए बताया कि वह सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म पर एक्टिव रहती है। वीडियो फोटो शेयर करती रहती है।

सीएनजी सिलिंडरों से भरा ट्रेलर पलटा, गैस रिसाव से मचा हड़कंप

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। बिंदायका थाना क्षेत्र के सिरसी रोड स्थित निमेड़ा गांव में आज सुबह सीएनजी गैस सिलेंडरों से भरा एक ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। हादसे के बाद कुछ सिलेंडरों से गैस रिसाव शुरू हो गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, दमकल विभाग और टोरेट गैस कंपनी की टीमों मौके पर पहुंचीं और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर तेज रफ्तार में था और चालक के नियंत्रण खोने के बाद सड़क किनारे लगे एक यूनिपोल से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गैस सिलेंडरों से लदा ट्रेलर पलट गया। हादसे के बाद कई सिलेंडरों से गैस लीक होने लगी, जिससे

आसपास के ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बिंदायका फायर स्टेशन से तीन दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए गैस रिसाव रोकने की कार्रवाई शुरू की। वहीं टोरेट गैस कंपनी की तकनीकी टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और रिसाव पर नियंत्रण पाने के लिए राहत कार्य में जुट गई।

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम डॉ. खुशबू शर्मा और बिंदायका थाना प्रभारी विनोद कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्र में लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई और सुरक्षा चेरा बनाया गया।



खारिज कर दिया कि वे आदेश को चुनौती देने पर विचार कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जब तक ऊपरी अदालत से स्टे नहीं मिले, तब तक अदालत के आदेश का पालन करना अनिवार्य है।

अपीलकर्ता दाऊदयाल को अलवर की कोर्ट ने साल 1988 के गैर इरादतन हत्या केस में 4 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। अपील खारिज होने के बाद 23 दिसंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया, तब से लेकर वह जेल में था।

3 दिसंबर 2023 को स्थायी पैरोल के लिए आवेदन किया था। 18 जनवरी 2024 को खारिज कर दिया गया, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हाईकोर्ट की



सवाई माधोपुर, टोंक, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा और अलवर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं तीव्र मेघगर्जन और गरज-चमक के साथ 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही धूलभरी आंधी, वज्रपात, ओलावृष्टि और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, डोंग और करौली जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम

हाईवे पर दौड़ती बस बनी आग का गोला

कुछ ही मिनटों में जलकर खाक, बाल-बाल बचे यात्री

बालोतरा 30 मई (एजेंसियां)। जिले में बारांडी गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौड़ रही एक बस में अचानक भीषण आग लग गई। चलते वाहन से धुआं उठते देख यात्रियों और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप की स्थिति बन गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कुछ ही मिनटों में पूरी बस आग की लपटों से घिर गई। गनीमत रही कि समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस सामान्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान वाहन के पिछले हिस्से से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ।

शुरुआत में लोगों को मामूली तकनीकी खराबी का अंदेशा हुआ लेकिन कुछ ही पलों में आग तेजी से फैलने लगी। चालक ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए जल्दी-जल्दी बस से बाहर निकलने लगे।

कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दूर-दूर तक आग की ऊंची लपटें और धुएं का काला गुबार दिखाई देने लगा। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी।

एसीबी ने जयपुर में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा प्लेसमेंट एजेंसी संचालक

पीएफ-ईएसआई लिंक करने के एवज में ले रहा था रु.40,000

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एसयू-प्रथम चौकी ने जयपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्लेसमेंट एजेंसी संचालक को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 'डायनेमिक मैनुफाचर एंड सिस्कोरिटी सर्विसेज' के संचालक अनिल कुमार के रूप में हुई है। उस पर आरोप है कि वह एक सिव्दाकर्मी के यूएन नंबर, पीएफ और ईएसआई को सेवा से लिंक करने के बदले रु.40,000 की रिश्वत ले रहा था।

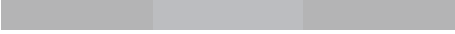
डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि यह मामला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,

जयपुर-द्वितीय के अंतर्गत आयुष्मान आरोय मॉंदर गरुड़वासी (चाकसू) से जुड़ा हुआ है। परिवारी को इस संस्थान में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से संविदा पर नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के बाद आरोपी एजेंसी संचालक अनिल कुमार लगातार कर्मचारी को परेशान कर रहा था और उसके यूएन नंबर, पीएफ और ईएसआई को सेवा से लिंक करने के बदले पहले रु.50,000 की मांग कर रहा था।

परिवारी द्वारा शिकायत किए जाने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन करवाया। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी और परिवारी के बीच 40,000 में सौदा

तय हुआ था। इसी दौरान आरोपी ने शुरुआती चरण में रु.5,000 वसूल भी लिए थे। हालांकि बाद में उसे एसीबी की कार्रवाई का शक हुआ तो उसने रु.5,000 रुपए वापस लौटा दिए और शेष राशि एक साथ देने की शर्त रख दी।

इसके बाद एसीबी ने पूरी योजना के तहत ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। जैसे ही परिवारी ने तय रकम रु.40,000 आरोपी अनिल कुमार को दी, एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। इस दौरान टीम ने पहले से तैयार रणनीति के तहत आसपास निगरानी बनाए रखी और जैसे ही लेन-देन पूरा हुआ तुरंत दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया।



‘शासक बन गया हत्यारा’

भतीजे अभिषेक पर हमले के बाद भड़कीं ममता बनर्जी, इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने भी उठाई आवाज

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियाँ)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को पार्टी के एक मारे गए कार्यकर्ता के घर जाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि सड़क पर उनके साथ हाथापाई भी की गई। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सोनारपुर की इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग खुद ही हत्यारे बन गए हैं। बीजेपी को शर्म आनी चाहिए। उधर, राष्ट्रीय स्तर के विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ के सहयोगी दलों ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी आवाज उठाई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स हैंडल के जरिए बीजेपी की कड़ी निंदा की।

बीजेपी ने टीएमसी के आरोपों से किया इनकार : हालांकि इस घटना पर बीजेपी का कहना है कि सोनारपुर की घटना से उनका कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि इस घटना में बीजेपी शामिल नहीं है। पिछले पांच सालों में दक्षिण 24

परगना में तृणमूल ने जिस तरह के अत्याचार किए हैं। अगर बीजेपी चाहती तो तृणमूल के नेता अभी अपने घरों से बाहर कदम भी नहीं रख पाते। यह बीजेपी के संयम बरतने का ही नतीजा है कि तृणमूल के नेता इस तरह घूम-फिर पा रहे हैं।

टीएमसी ने हमले का किया विरोध : तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर अभिषेक पर हुए हमले का विरोध किया। एक्स पर उनकी पोस्ट में लिखा था कि एक क्रूर हमले का सामना करने के बाद भी अभिषेक बनर्जी ने संजू कर्मकार के शोक संतप्त परिवार का साथ नहीं छोड़ा। हमारे अखिल भारतीय महासचिव ने बीजेपी समर्थित गुंडों के सामने घुटने नहीं टेके। इसके बजाय वह बीजेपी समर्थित इन गुंडों का शिकार बने परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहे। सहानुभूति की राजनीति और नफरत की राजनीति के बीच यही बुनियादी फर्क है। मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी को संबोधित करते हुए पोस्ट में आगे कहा गया कि आज की घटना ने एक बार फिर आपकी राजनीति का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है। एक ऐसी राजनीति जो डराने-धमकाने, हिंसा और बदले



की भावना पर टिकी है। **खड़गे ने की घटना की निंदा :** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं सोनारपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। यह हमला तब हुआ, जब वे राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने गए थे। एक प्रमुख विपक्षी नेता को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा न देना, बीजेपी की बदले की राजनीति और उत्पीड़न की मानसिकता को साफ तौर पर दिखाता है। पश्चिम बंगाल और केंद्र सरकार, दोनों को ही सभी विपक्षी नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और ऐसे हमलों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। राजनीतिक मतभेद किसी भी तरह की हिंसा को सही नहीं ठहरा सकते।

शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप, छात्र के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल पुलिस ने एक कॉलेज छात्र के खिलाफ युवती को शादी का झांसा देकर कथित रूप से यौन शोषण करने और बाद में उसकी निजी तस्वीरों व वीडियो के आधार पर ब्लैकमेल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता कदलकोया स्थित एक कॉलेज में फार्मसी की छात्रा है। उसकी पहचान एक सहपाठी छात्र से हुई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि युवक ने विवाह का वादा कर उसका विश्वास जीता और बाद में उसे ऑक्सीजन पार्क ले जाकर यौन शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने कई बार उसका शोषण किया तथा वीडियो कॉल के दौरान उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड कर लिए। इसके बाद उसने कथित तौर पर धन की मांग की और मना करने पर इन सामग्रियों को परिवार के सदस्यों के साथ साझा करने की धमकी दी। महिला ने शिकायत में यह भी कहा है कि आरोपी ने हाल ही में उसके भाई को निजी तस्वीरें और वीडियो भेज दिए थे। शिकायत के आधार पर मेडचल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

सीबीएसई अंक विवाद पर केंद्र सरकार जवाब दे : केटीआर

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कथित सीबीएसई अंक घोटाले को लेकर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए और यदि मूल्यांकन प्रक्रिया में कोई त्रुटि हुई है तो उसे शीघ्र सुधारा जाना चाहिए। शुक्रवार को जारी बयान में रामाराव ने कक्षा 12 के छात्रों द्वारा अपने परिणामों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ उठाई जा रही आवाज की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्रों ने जिस साहस और दृढ़ता के साथ अपनी चिंताओं को सामने रखा है, वह प्रेरणादायक है। बीआरएस नेता ने आरोप

लगाया कि विवाद के केंद्र में बताई जा रही कंपनी ग्लोबरेना का नाम पहले भी तेलंगाना के वर्ष 2019 के इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम विवाद में सामने आ चुका है। उन्होंने दावा किया कि कंपनी ने नाम बदलकर सीबीएसई से अनुबंध प्राप्त किया और अब देशभर के छात्रों को प्रभावित करने वाला संकट खड़ा हो गया है। रामाराव ने कहा कि 2019 में तेलंगाना में परिणामों में गड़बड़ी सामने आने के बाद तत्कालीन राज्य सरकार ने जांच समिति गठित की थी, उसकी सिफारिशों के आधार पर कार्रवाई की गई थी तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कदम उठाए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विवादित रिकॉर्ड के बावजूद संबंधित कंपनी को महत्वपूर्ण



जिम्मेदारियां सौंपी गईं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब देने और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग

की। रामाराव ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है तथा छात्रों के भविष्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हाइड्रा की कार्रवाई पर हाईकोर्ट सरल 24 घंटे में बहाली के आदेश

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए उसे ‘मनमाना’ और ‘न्यायिक आदेशों की अवहेलना करने वाला’ बताया है। अदालत ने एजेंसी की उस कार्रवाई पर नाराजगी जताई, जिसमें कुकाटपल्ली स्थित एक भूमि पर संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया था। मामला 25 और 26 मई 2026 को 13 एकड़ 17 गुंटा भूमि पर की गई तोड़फोड़ से जुड़ा है, जहां बाड़, सुरक्षा कक्ष और प्रवेश द्वारों को ध्वस्त कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि संपत्ति की सुरक्षा को लेकर पहले से निर्देश जारी होने के बावजूद कार्रवाई की गई। उच्च न्यायालय ने कहा कि वर्ष 2008 में सरकार ने जीओ एमएस संख्या-469 के तहत इस भूमि को नियमित किया था। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि संबंधित अधिकारियों ने पहले अपने हलफनामों में स्वीकार किया था कि यह भूमि किसी जलाशय, तालाब या शिकम श्रेणी की नहीं है, लेकिन अब कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए अलग रुख अपनाया जा रहा है। न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर संपत्ति को पूर्व स्थिति में बहाल करने का निर्देश दिया है। आदेश के तहत ध्वस्त संरचनाओं का पुनर्निर्माण और बिजली आपूर्ति भी बहाल करनी होगी। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो याचिकाकर्ता स्वयं बहाली का कार्य करा सकता है और उसका खर्च जिम्मेदार अधिकारियों से व्यक्तितगत रूप से वसूल जाएगा। साथ ही मामले के अंतिम निस्तारण तक हाइड्रा को संपत्ति में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से रोक दिया गया है।

एनएसएल के वित्तीय परिणामों की घोषणा



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने वित्त वर्ष 26 के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा कर दी। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने वित्त वर्ष 26 में एक ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए लाभ हासिल की। इसके साथ ही वित्त वर्ष, 26 की चौथी तिमाही में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन भी दर्ज किया। वित्त वर्ष 26 के दौरान 23.25 लाख मीट्रिक टन का अपना सर्वोच्च वार्षिक उत्पादन तथा 24.55 लाख मीट्रिक टन की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की

तुलना में क्रमशः 62 प्रतिशत और 74 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। एनएसएल ने प्रचालन प्रारंभ होने के मात्र दो वर्षों के भीतर ही अपनी निर्धारित (रेटेड) उत्पादन क्षमता का 80 प्रतिशत हासिल कर लिया, जो नगरनार स्टील प्लांट के प्रचालन दक्षता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एनएसएल ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के दौरान भी अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन किया, जिसमें उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़कर 6.42 लाख मीट्रिक टन तथा बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 7.03 लाख मीट्रिक टन हो गई, जो कंपनी की बढ़ती प्रचालन शक्ति और बाजार में मजबूत स्थिति को रेखांकित करती है। पिछले वर्ष के 2,373 करोड़ रुपये के हानि के मुकाबले वित्त वर्ष 26 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 58.72 करोड़ रुपये रहा। इस बदलाव की मजबूती की दशाति हुए, वित्त वर्ष 26 की

चौथी तिमाही के कर पश्चात लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 473 करोड़ रुपये के हानि के मुकाबले लाभ रू 391 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के लिए टर्नओवर वर्ष-दर-वर्ष 37 प्रतिशत बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये हो गया, जबकि ईबीआईटीडीए पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 271.51 करोड़ रुपये के नकारात्मक ईबीआईटीडीए के मुकाबले 832.09 करोड़ रुपये रहा। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने कहा, वित्त वर्ष 26 एनएमडीसी स्टील की यात्रा में एक ऐतिहासिक वर्ष है। प्रचालन के दो वर्षों के भीतर लाभ हासिल करना, हमारा अब तक का सर्वोच्च उत्पादन और बिक्री दर्ज करना तथा लगभग 80 प्रतिशत क्षमता उपयोग तक पहुंचना, नगरनार स्टील प्लांट के सफल दृढसंकल्प को दर्शाता है।

शायर बशीर बद्र के निधन पर शोक सभा आयोजित



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूरे विश्व में अपनी ग़ज़लों के लिये प्रसिद्ध उर्दू शायर डॉ. बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में निधन ने साहित्यिक संस्था साझ के साथी ने गहरा शोक व्यक्त किया। अध्यक्ष अजित गुप्ता ने कहा कि उनके निधन से हैदराबाद ही नहीं, बल्कि देश और देश के बाहर की साहित्यिक दुनिया में बशीर बद्र ने लगभग डेढ़ घंटे तक काव्य पाठ कर हैदराबाद के रसिक श्रोताओं का मन मोह लिया था। साहित्य और संगीत नाटक अकादमी में योगदान के लिए आपको 1999 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1999 में उनके कविता संग्रह आस के लिए उन्हें उर्दू में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला। विविध भारती पर एक लोकप्रिय रेडियो शो उजाले अपनी यादों के का शीर्षक बद्र के सबसे लोकप्रिय शेर उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, ना जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए में से एक से लिया गया है। संस्था के अध्यक्ष अजित गुप्ता, उपाध्यक्ष बिशनलाल संधी, मानद मंत्री नन्द्यापाल भट्टाड़, संयुक्त मंत्री ज्योतिनारायण, कोषाध्यक्ष कैलाश भट्टाड़, पारामर्शदाता वेणुगोपाल भट्टाड़, नरेन्द्र राय, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, पं. रामकृष्ण पाण्डेय, भैरवलाल उपाध्येय, अनिल कुमार वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल, बजरंग भगत ने बशीर बद्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

तेलंगाना में गर्मी से मिलेगी राहत तापमान में गिरावट के संकेत



हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले कई सप्ताह से जारी भीषण गर्मी से जल्द राहत मिलने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जाएगी। हालांकि आईएमडी ने

31 मई के लिए कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, खम्मम, महबूबाबाद, वारांगल और हसनमकोंडा जिलों के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी की है, लेकिन इसके बाद मौसम में बदलाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून

से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में ज्विल्ली चमकने, गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। विभाग ने बताया कि 31 मई को तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन उसके बाद अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक घट सकता है। ग्रेटर हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि, रंगारेड्डी, संगारड्डी, विकाराबाद और भुवनगिरि समेत आसपास के जिलों के लिए 2 जून से गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, महबूबनगर, नगरकनूल, वनपर्थी, नारायणपेट और जोगुलाम्बा गदवाल जिलों में रविवार से ही तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाली बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का मानना है कि बारिश और बादलों की गतिविधि बढ़ने से राज्य में गर्मी की तीव्रता में कमी आएगी और लोगों को राहत मिलेगी।

सामुदायिक कुत्तों के कथित अवैध स्थानांतरण पर एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) और स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (साफी) की पहल पर मेटपल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष के खिलाफ 100 से अधिक सामुदायिक कुत्तों के कथित अवैध स्थानांतरण के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पेटा के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि मातमवाड़ा क्षेत्र से 100 से अधिक सामुदायिक कुत्तों को कथित रूप से पकड़कर वैन में भरकर अन्य स्थानों पर ले जाया गया। आरोप है कि यह कार्रवाई कुछ लोगों द्वारा की गई, जिन्हें कुत्तों को हटाने के लिए नियुक्त किया गया था। हैदराबाद स्थित स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अब्दुलपुरम गौतम की शिकायत के आधार पर बोलाराम पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीनएएस)-2023 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पेटा इंडिया की क्रूरता प्रतिक्रिया विभाग की एक्सोसिएट मैनेजर सलोनी स्कायर ने कहा कि कुत्तों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना न केवल मानववीथ और गैरकानूनी है, बल्कि इससे समस्या का स्थायी



समाधान भी नहीं होता। उन्होंने स्थानीय निकायों से कानून के अनुरूप पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि कुत्तों को कहाँ ले जाया गया और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।

टीजीएसआरटीसी की ग्रीष्मकालीन किराया छूट 31 मई तक

1 जून से लागू होंगे पुराने किराये हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में लागू अपनी विशेष ग्रीष्मकालीन किराया छूट योजना को समाप्त करने की घोषणा की है। तीन महीने की यह रियायती योजना 31 मई को समाप्त हो जाएगी। निगम के अनुसार, 1 जून से मेट्रो डीलक्स और वातानुकूलित (एसी) बस सेवाओं में पहले से लागू नियमित किराया संरचना बहाल कर दी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह किराया वृद्धि नहीं है, बल्कि केवल गर्मी के मौसम में दी गई अस्थायी छूट को वापस लिया जा रहा है। टीजीएसआरटीसी ने बताया कि मार्च से मई के बीच यात्रियों को राहत देने और एसी बसों में सफर की अधिक किरायाती बनाने के उद्देश्य से यह विशेष छूट योजना शुरू की गई थी। अब छूट अवधि समाप्त होने के बाद पहले से निर्धारित किराये ही लागू होंगे। निगम ने यात्रियों से अपील की है कि वे 1 जून से लागू होने वाले नियमित किरायों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

संदिग्ध लू लगने से सरकारी शिक्षक की मौत

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियाल जिले के दांडेपल्ली मंडल स्थित जैथुगुडा गांव में शनिवार को एक सरकारी शिक्षक की संदिग्ध लू लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गांव निवासी 50 वर्षीय अथराम राजेश शनिवार दोपहर बाहर से घर लौटे थे। घर पहुंचने के कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल लक्सैटीवेंट के एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।प्रारंभिक तौर पर उनकी मौत का कारण लू लगना माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बेटों का परिवार छोड़ गए हैं। उल्लेखनीय है कि जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। शनिवार को बेल्लमपल्ली में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सिरपुर क्षेत्र में पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartth2006@gmail.com
svaartth2006@gmail.com
svaartth2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

